वर्ष : 34 » अंक : 09 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, सोमवार, 17 मार्च 2025 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

कांग्रेस ने उड़ाया बोडो समझौते का मजाक : अमित शाह

▸ पेज - 8

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

ऋतिक की वार-2 से पंगा नहीं लेना चाहते रजनीकांत

▸ पेज - 7

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव

विधान परिषद जाएंगे सीएम के सिपहसालार

बीजेपी ने घोषित किए तीन उम्मीदवार, आज दाखिल करेंगे नामांकन

27 मार्च को पांच सीटों के लिए होगा मतदान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद की पांच सीटों के लिए 27 मार्च को चुनाव होने हैं। बीजेपी ने अपने तीन उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, जिनमें संदीप जोशी, संजय केणेकर और दादाराव केचे के नाम शामिल हैं। इन उम्मीदवारों के चयन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का प्रभाव साफ नजर आ रहा है। ये सभी उम्मीदवार सोमवार को अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

विधान परिषद चुनाव की पृष्ठभूमि

विधानसभा चुनाव में जीत के बाद बीजेपी के प्रवीण दटके, रमेश कराड और गोपीचंद पडलकर, शिवसेना के आमशा पाडवी और एनसीपी के राजेश विटेकर की सीटें खाली हो गई थीं। इन्हीं रिक्त सीटों पर अब 27 मार्च को चुनाव होगा। विधायकों की संख्या के आधार पर बीजेपी से 3, शिंदे गुट की शिवसेना से 1 और अजित पवार की एनसीपी से 1 सदस्य का जीतना तय माना जा रहा है।

विधान परिषद में किसकी कितनी संख्या

विधान परिषद में कुल 78 सदस्य हैं, लेकिन वर्तमान में सदन में केवल 52 सदस्य हैं। इनमें से 32 विधायक महागठबंधन से हैं, जिनमें बीजेपी के 19, शिंदे सेना के 6 और अजित पवार की एनसीपी के 7 विधायक शामिल हैं। दूसरी ओर, महाविकास अघाड़ी के पास केवल 17 विधायक हैं। इसमें कांग्रेस के 7, एनसीपी (शरद पवार) के 3, उद्धव सेना के 7 और 3 निर्दलीय सदस्य हैं।

चुनाव की रणनीति और राजनीतिक असर

बीजेपी ने अपने तीनों उम्मीदवारों के चयन में फडणवीस की करीबी टीम को प्राथमिकता दी है। संदीप जोशी, संजय केणेकर और दादाराव केचे सभी संगठन और प्रशासन में मजबूत पकड़ रखने वाले नेता हैं। चुनावी समीकरण के अनुसार, बीजेपी के तीनों उम्मीदवारों की जीत लगभग तय मानी जा रही है।

बीजेपी के तीन उम्मीदवारों की प्रोफाइल

देवेंद्र फडणवीस के बचपन के मित्र हैं संदीप जोशी

संदीप जोशी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बचपन के मित्र हैं। उन्होंने नागपुर महानगर पालिका में चार बार पार्षद के रूप में कार्य किया है। लह सत्तारूढ़ पार्टी के नेता, स्थायी समिति के अध्यक्ष और महापौर के पदों पर कार्य कर चुके हैं। इसके अलावा जोशी ने संगठन में भी विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। सिद्धिविनायक ट्रस्ट के माध्यम से विभिन्न सामाजिक कार्यों में वह सक्रिय रहे हैं।

सीएम के विश्वास पात्र हैं संजय केनेकर

छत्रपति संभाजीनगर जिले से आने वाले संजय केनेकर को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का विश्वासपात्र माना जाता है। वह बीजेपी के राज्य महासचिव हैं। वह लगभग 35 वर्षों से बीजेपी में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। शुरुआत में उन्होंने एक साल तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में कार्यकर्ता के रूप में काम किया। इसके बाद 12 साल तक वार्ड अध्यक्ष से रहे। वह भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष तक की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

केचे को क्यों मिली उम्मीदवारी?

दादाराव केचे आर्वी निर्वाचन क्षेत्र से दो बार विधायक रहे हैं। दादाराव भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। 2024 विधानसभा चुनाव में दादाराव केचे का टिकट काटकर फडणवीस के निजी सचिव सुमित वानखेड़े को आर्वी से मौका दिया गया। उस समय नाराज केचे ने बगावत का झंडा बुलंद करते हुए अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया था।

सेना के काफिले पर हमला

- 5 दिन में BLA का डबल अटैक
- 90 पाकिस्तानी सैनिक मारने का दावा

एजेंसी । बलूचिस्तान

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी सेना के काफिले पर हमला कर 90 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया है। बीएलएल की ओर से पिछले 5 दिनों में यह दूसरा बड़ा हमला है। BLA के मुताबिक, 8 बसों में पाकिस्तानी सेना का काफिला जा रहा था। BLA के मजीद ब्रिगेड ने नुस्की हाईवे पर सेना के काफिले पर अटैक किया। BLA के फतह ब्रिगेड ने पाक सेना को चारों तरफ से घेर लिया। उसके बाद उन्होंने बस में बैठे कुछ पाकिस्तानी सैनिकों को निशाना बनाया। वहीं, दूसरे बसों पर हुए हमलों को आत्मघाती हमले के रूप में देखा जा रहा है। BLA ने एक-एक करके कुल 90 सैनिकों को मार गिराया। नुस्की में हुए इस हमल में पाकिस्तानी सैनिकों के मरने की संख्या अभी और भी बढ़ सकती है। नोश्की के SHO सुमालानी ने कहा कि मृतकों और घायलों की संख्या इस घटना में और बढ़ सकती है। कई सैनिक अभी भी बुरी तरह से घायल हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, ये हमला आत्मघाती माना जा रहा है। सैनिकों के काफिले के एक बस को व्हीकल बॉर्न IED के जरिए निशाना बनाया। इसी काफिले की दूसरी बस को ग्रेनेड से निशाना बनाया।

पहले भी किया गया था बम से हमला

BLA की पाकिस्तानी सैनिकों पर हमले की ये कोई पहली घटना नहीं है। इसके पहले पाकिस्तानी सेना के एक काफिले को बम से उड़ा दिया गया था। तरबत में दे बलूच के सी पीक रोड पर पाकिस्तानी सेना के काफिले में बम विस्फोट हुआ था। बीएलएल की ओर से अब तक एक दो बार नहीं बल्कि दर्जनों बार पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाया जा चुका है।

जाफर एक्सप्रेस को किया गया था हाईजैक

11 मार्च को पाकिस्तान में एक ट्रेन हाईजैक का मामला भी सामने आया था। यहां पर जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक कर लिया गया था। इस ट्रेन में 450 यात्री सफर कर रहे थे। इस ट्रेन हाईजैक में कुल 58 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें 21 यात्री, चार सैनिक और बीएलए के 33 सदस्य भी शामिल थे।

ट्रेन हाईजैक के लिए लगाया था आरोप

पाकिस्तान ने ट्रेन हाइजैक का आरोप भारत पर लगाया था। हालांकि, भारत ने तुरंत जवाब देते हुए पाकिस्तान के आरोपों को खारिज कर दिया। वैसे ये पहला मौका नहीं है जब बलूचिस्तान में होने वाले हमलों के लिए पाकिस्तान अक्सर भारत पर आरोप लगाता है।

न्यूज़ ब्रीफ

शिर्डी में गोमांस बिक्री पर रोक

मुंबई। शिर्डी स्थित साईबाबा देवस्थान में भक्तों की आस्था को ध्यान में रखते हुए अहिल्यानगर में गोमांस बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब अगर कोई गोमांस बेचते हुए पकड़ा जाता है, तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही मंदिर परिसर और आसपास भिखारियों की मनमानी भी खत्म कर दी गई है। अहिल्यानगर के पालकमंत्री एवं जल संसाधन मंत्री (गोदावरी विकास महामंडल) राधाकृष्ण विखे पाटील ने बताया कि शिर्डी और जिले के सभी अवैध कत्लखाने बंद कर दिए गए हैं और अब यहां कहीं भी गोहत्या नहीं होती।पालकमंत्री ने बताया कि शिर्डी में भक्तों से होटल संचालकों द्वारा अधिक पैसे वसूलने की शिकायतें मिल रही थीं, जिसे अब पूरी तरह बंद कर दिया गया है। अब दर्शन के दौरान किसी भी प्रकार की लूट या परेशानी नहीं होगी।इसके अलावा साईबाबा महाप्रसाद में बाहरी लोगों की घुसपैठ रोक दी गई है। भक्तों के लिए टोकन व्यवस्था लागू की गई है, ताकि वे मुफ्त प्रसाद से वंचित न रहें। मंदिर परिसर में सभी अनधिकृत निर्माण कार्यों को तोड़ा गया है। साईबाबा के जीवन पर आधारित एक भव्य थीम पार्क शिर्डी में बनाया जाएगा, जिसकी जल्द ही आधारशिला रखी जाएगी। सरकार के इन कड़े फैसलों से शिर्डी आने वाले भक्तों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और उनकी आस्था बनी रहेगी।

हमने शांति की कोशिशें की, पाक ने विश्वासघात किया : मोदी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच इस समय किसी तरह के संबंध नहीं हैं। भारत ने पाकिस्तान की नापाक हरकतों के बाद उसके साथ बातचीत बंद कर दी है। लेक्स फ्रिडमैन के साथ 3 घंटे लंबे पॉडकास्ट में पीएम नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ संबंधों को लेकर कहा कि हमें पाकिस्तान से अच्छी शुरुआत की उम्मीद थी, लेकिन उधर से नकारात्मक जवाब ही आया। पाकिस्तान ने हमारी हर अच्छी कोशिश का विश्वासघात से जवाब दिया। साथ ही उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि उसे सद्बुद्धि आएगी और वह शांति का मार्ग अपनाएगा। पाकिस्तान के साथ संबंधों को मधुर करने की कोशिश को लेकर पीएम मोदी ने कहा, 'मैंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान को भी आमंत्रित किया था, ताकि एक शुभ शुरुआत की जा सके।

पाकिस्तान के लोग भी शांति चाहते होंगे : PM मोदी

लेक्स फ्रिडमैन के साथ एक पॉडकास्ट में पीएम मोदी ने कहा, 'मेरा मानना है कि पाकिस्तान के लोग भी शांति चाहते हैं क्योंकि वे भी संघर्ष, अशांति और निरंतर आतंक में रहते हुए थक गए होंगे, जहां मासूम बच्चे भी मारे जाते हैं और अनगिनत जिंदगियां बर्बाद हो जाती हैं।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने का उनका पहला प्रयास सद्भावना का संकेत था।

महाराष्ट्र में औरंगजेब पर सियासत तेज

आरएसएस और फडणवीस पर विपक्ष ने साधा निशाना

मुंबई। महाराष्ट्र में औरंगजेब को लेकर जारी राजनीतिक विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक अबू आसिम आजमी के औरंगजेब की तारीफ वाले बयान के बाद सत्ता पक्ष के नेताओं और हिंदू संगठनों ने उनकी आलोचना की थी। अब बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के नेताओं ने औरंगजेब की कब्र को हटाने तक की मांग कर दी है। इस बीच, शिवसेना (उद्धव) के सांसद संजय राऊत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस तरह से सत्ता पक्ष औरंगजेब के मुद्दे पर राजनीति कर रहा है, उससे देश विभाजन की ओर बढ़ता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले और अब की स्थिति में कोई खास अंतर नहीं बचा है। रविवार को पत्रकारों से बातचीत में संजय राऊत ने कहा कि आरएसएस अब केवल दंगे भड़काने और मस्जिदों पर हमले करने तक सीमित रह गया है।

'गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी है महायुति' : हर्षवर्धन सपकाल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने राज्य की बीजेपी नीत महायुति सरकार पर जमकर निशाना साधा। रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने महायुति सरकार को 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसा गिरोह बताया और आरोप लगाया कि सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है।

सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप

सपकाल ने कहा कि सरकार ने किसानों के लिए समर्थन मूल्य घोषित नहीं किया और न ही कर्जमाफी की। 'लाडली बहना' योजना के तहत 10 लाख महिलाओं को लाभ से वंचित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद भी सरकार ने अपने चुनावी वादों को पूरा नहीं किया।

कानून व्यवस्था पर सवाल

उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरा। बीड जिले में सरपंच की हत्या का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। सिंधुदुर्ग के पालक मंत्री के बयानों से राज्य की शांति भंग हो रही है।

उद्योगपतियों के हित साधने का आरोप

सपकाल ने आरोप लगाया कि बीजेपी कोकण में मराठी पहचान को खत्म करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार वहां के खनिज संसाधनों को उद्योगपतियों को सौंपने की साजिश कर रही है और इसके लिए जाति और धर्म के बीच दरार पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है।

कोकण में कांग्रेस का विस्तार

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी अब कोकण में अपने संगठन को मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि सिंधुदुर्ग से इसकी शुरुआत हो चुकी है और जल्द ही पूरे कोकण में कांग्रेस की उपस्थिति को बढ़ाया जाएगा।

(पेज 2 पर देखें)

दुर्घटना | राज्य में पिछले तीन साल में सड़क दुर्घटनाओं में हुई 45,925 लोगों की मौत

सूबे में बढ़ रहे सड़क हादसे

सरकार ने एआई से नियंत्रण की बनाई योजना

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लगातार सख्त कदम उठा रही है, लेकिन इसके बावजूद हर साल हजारों दुर्घटनाएं हो रही हैं और इनमें मरने वालों की संख्या भी बढ़ रही है। राज्य के परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सड़क सुरक्षा नियम लागू करने के बावजूद हादसों में कोई कमी नहीं आई है। पिछले तीन वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं में 45,925 लोगों की मौत हुई है, जिससे सरकार की चिंता और बढ़ गई है।

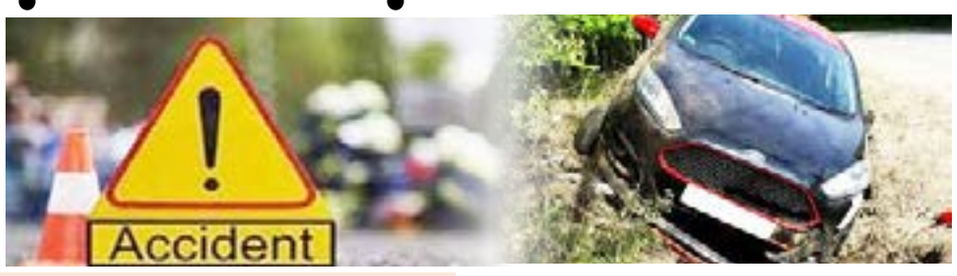

तीन साल में बढ़ते हादसे और मौतें

परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार

वर्ष	सड़क दुर्घटनाएं	मौतें
2022	33,383	15,224
2023	35,243	15,366
2024	36,084	15,335

एआई तकनीक से सड़क सुरक्षा की पहल

बढ़ती दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए राज्य सरकार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करने का फैसला किया है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि राज्य में एक्सप्रेस हाईवे पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एआई तकनीक का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके तहत तेज गति से वाहन चलाने वालों और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

सरकारी और अनुदानिक स्कूलों की स्थिति में होगा बदलाव

- अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की स्कूलों पर होगी कड़ी निगरानी

मुंबई। राज्य सरकार सरकारी और अनुदानिक स्कूलों की हालत सुधारने और निजी स्कूलों की ओर मुंह मोड़ चुके विद्यार्थियों को फिर से वापस लाने के लिए पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी। मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारियों, तहसीलदारों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को स्कूलों की निगरानी का जिम्मा सौंपा गया है। सभी अधिकारी नियमित रूप से स्कूलों का दौरा करेंगे और वहां की समस्याओं की रिपोर्ट शिक्षा विभाग को सौंपेंगे। स्कूली शिक्षा मंत्री से लेकर वरिष्ठ अधिकारी जिले में कम से कम 100 स्कूलों का निरीक्षण करेंगे। स्कूली शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग ने इस संबंध में एक परिपत्र जारी किया है, जिसमें अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिया गया है कि वे सरकारी और अनुदानित स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता, आधारभूत सुविधाओं और शिक्षण स्तर की समीक्षा करें। इसके अलावा, विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शिक्षा की स्थिति का मूल्यांकन करने को भी कहा गया है।

बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान

स्कूलों का दौरा करने वाले अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे स्कूलों में शौचालय, स्वच्छता, पेयजल, खेलकूद सुविधाओं और पोषण आहार की स्थिति की जांच करें। यदि कोई स्कूल जर्जर अवस्था में है या बुनियादी सुविधाओं की कमी है, तो संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए जाएंगे।

हादसे के बाद जागी भिवंडी मनपा

केबल नेटवर्क को 8 दिन में नियंत्रित करने का दिया आदेश

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी मनपा के ठीक सामने स्व। इंदिरा गांधी ब्रिज पर 2 फरवरी को हुए हादसे में दो युवकों ने अपनी जान गंवा दी है। स्थानीय नागरिकों द्वारा इस हादसे का कारण ब्रिज पर फैले केबल नेटवर्क को बताते हुए केबल ऑपरेटरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग जोर पकड़ने लगी है। शहर में जमीनी इमारतों और फ्लाईओवरों के ऊपर फैले अनधिकृत केबल नेटवर्क के बारे में कई शिकायतें मिलने के बाद प्रशासक एवं मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए है। जिसके अनुसार अतिरिक्त आयुक्त देवीदास पवार की अध्यक्षता में शहर के सभी केबल एवं नेटवर्क ऑपरेटरों की एक बैठक आयोजित की गई। अतिरिक्त आयुक्त देवीदास पवार ने उपस्थित लोगों को बैठक का कारण समझाया और निम्नलिखित निर्देश दिए।

शहर में सभी प्रकार की सेवाएं प्रदान करने वाली केबलें भूमिगत ही होनी चाहिए। प्रत्येक केबल ऑपरेटर को अपने क्षेत्र में कनेक्शन प्वाइंटों को मानचित्र पर चिह्नित करना चाहिए तथा नगर निगम से अनुमोदन प्राप्त करना चाहिए व उचित शुल्क तुरंत मनपा के खाते में जमा करना चाहिए। प्रत्येक आपूर्तिकर्ता को केबल कनेक्शन करने से पहले अपना नक्शा शहर अभियंता से अनुमोदित करवाना होगा। शहर अभियंता संबंधित व्यक्तियों से केबल की लंबाई के अनुसार भूमिगत केबल के लिए आवश्यक उत्खनन शुल्क एकत्र करेगा और इसे माननीय को प्रस्तुत करेगा, उत्खनन की अनुमति आयुक्त से अनुमोदन के बाद दी जानी चाहिए। ऐसे मामलों में जहां भूमिगत केबल बिछाना संभव नहीं है, जैसे कि उद्दल ब्रिज या अन्य स्थानों पर, संबंधित आपूर्तिकर्ता को पहले सिटी इंजीनियर को आवेदन करना होगा। शहर अभियंता को व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करके यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यातायात या पैदल यात्रियों के लिए कोई बाधा न हो। यह सत्यापित किया जाना चाहिए कि क्या उक्त केबल कनेक्शन के लिए पाइप या अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। इसी प्रकार, संबंधित शुल्क की जानकारी संबंधित व्यक्ति को दी जानी चाहिए तथा शुल्क का भुगतान होने के बाद ही केबल जोड़ने की अनुमति दी जाएगी। आपूर्तिकर्ता को अगले एक सप्ताह के भीतर शहर की मुख्य सड़कों और फ्लाईओवरों पर अव्यवस्थित रूप से फैले केबल नेटवर्क की मरम्मत करने की जिम्मेदारी लेनी होगी। यदि निर्धारित अवधि के बाद भी सुधार नहीं होता है तो नगर निगम स्वयं केबल कनेक्शन काटने की कार्रवाई करेगा। कृपया ध्यान दें कि यदि सेवा प्रावधान में कोई व्यवधान होता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सेवा प्रदाता की होगी। साथ ही अतिरिक्त आयुक्त देवीदास पवार ने आज बैठक में उपस्थित न होने वाले आपूर्तिकर्ताओं को भी इस निर्देश से अवगत कराने का निर्देश दिया है। इस बैठक में अपर आयुक्त विठ्ठल डाके, शहर अभियंता जमील पटेल, कार्यपालन यंत्री (विद्युत) सिद्दीक काजी, प्रभाग अधिकारी राजेंद्र वारलीकर, सुरेन्द्र भोईर, गिरीश घोसटेकर, बालाराम जाधव एवं प्रभाग समिति दो के कार्यालय अधीक्षक के साथ-साथ शहर में विभिन्न केबल एवं नेटवर्क सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले आपूर्तिकर्ता भी उपस्थित थे।

कल्याण में कांग्रेस पदाधिकारियों का शिंदे शिवसेना में प्रवेश

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण जिले के कांग्रेस के प्रदेश नेताओं और स्थानीय पदाधिकारियों ने मुंबई में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सासंद डॉ. श्रीकांत शिंदे और जिला प्रमुख गोपाल लांडगे की उपस्थिति में शिंदे शिवसेना में प्रवेश किया। कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पॉली जेकब ने कहा कि 'कल्याण जिले में कांग्रेस के अंतर्गत चल रहे राजनैतिक खेल, कुछ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को ही पद देने की होड़ और इस कुरघोडी के राजनैतिक माहौल से तंग आकर हमने शिंदे शिवसेना में शामिल होने का निर्णय लिया है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम पिछले 20 वर्षों से कल्याण जिला कांग्रेस समिति में निष्ठा से सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। पार्टी के आदेशानुसार हमने समय-समय पर कांग्रेस के लिए, कांग्रेस के उम्मीदवारों को जिताने के लिए काम किया है। हमने पार्टी के मोर्चों और आंदोलनों में भाग लिया।

स्थानीय प्रशासन चलाए जा रहा : पॉली जेकब

पॉली जेकब ने आरोप लगाया कि 'स्थानीय पदाधिकारियों के चारों ओर एक विशेष समूह बना हुआ है, जिन्हें पालिका में समितियों और स्थायी समितियों में स्थान दिया गया है। यह राजनैतिक खेल खत्म होना मुश्किल है। अब तो कल्याण जिला कांग्रेस समिति में किसी को भी महत्व नहीं दिया जा रहा है। एकतरफा स्थानीय प्रशासन चलाया जा रहा है। इस स्थिति से तंग आकर हमने शिंदे शिवसेना में प्रवेश किया है।'

कल्याण जिला कांग्रेस के नेताओं का स्वागत

सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और जिला प्रमुख गोपाल लांडगे ने मुंबई में कार्यक्रम के दौरान कल्याण जिला कांग्रेस के नेताओं का स्वागत किया। सांसद शिंदे ने प्रत्येक नेता को शिवसेना का झंडा सौंपते हुए आश्वासन दिया कि 'प्रवेश करने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता की कदर की जाएगी और उनका उचित सम्मान रखा जाएगा।'

सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शिंदे शिवसेना में किया प्रवेश

पॉली जेकब के नेतृत्व में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग कल्याण विभाग के अध्यक्ष राजकुमार हिरावत, विद्यार्थी विभाग के सन्नी एंथोनी, महासचिव सुनील चव्हाण, सलाहकार एड। नित्यानंद नायर, युवा कांग्रेस महासचिव संतोष शर्मा, प्रदेश कांग्रेस राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के प्रदेश सचिव स्टिफन हिवाले, विजू अब्राहम सहित सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने शिंदे शिवसेना में प्रवेश किया।

एयरपोर्ट पर 3 .67 करोड़ रुपये मूल्य के सोने की तस्करी का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) की टीम ने मुंबई हवाई अड्डे पर दो मामलों में कुल 3ण67 करोड़ रुपये मूल्य के सोने की तस्करी का पर्दाफाश किया है। इस मामले में कस्टम की टीम ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें तीन एयरपोर्ट के कर्मचारी हैं।

कस्टम सूत्रों ने रविवार को मीडिया को बताया कि उनकी टीम ने एयरपोर्ट पर स्थित एक दुकान के कर्मचारी प्रदीप पवार की शक के आधार पर तलाशी ली गई। प्रदीप पवार के पैंट की जेब से सोने की पेस्ट मिली। इसके बाद पूछताछ में प्रदीप ने बताया कि यह पेस्ट उसे एक शख्स ने दी थी और मोहम्मद इमरान नागोरी नामक व्यक्ति को यह पेस्ट देने को कहा था। इसके बाद कस्टमं ने नागोरी को गिरफ्तार कर किया। इन दोनों ने पूछताछ के दौरान बताया कि एयरपोर्ट पर काम करने वाली महिला कर्मचारी अंशु गुप्ता भी तस्करी में संलिप्त है, इसलिए कस्टम ने अंशु गुप्ता को भी गिरफ्तार कर लिया है। इसी तरह एक अन्य मामले में मुंबई एयरपोर्ट पर कार्यरत एक अन्य कर्मचारी को सोने की पेस्ट के साथ गिरफ्तार किया गया है। उस कर्मचारी ने पूछताछ में बताया कि यह सोने की पेस्ट उसे एक विदेशी यात्री ने दिया था। इन दोनों मामलों में कस्टम ने कुल 3।67 करोड़ रुपये मूल्य के सोने की तस्करी का पर्दाफाश किया है। दोनों मामलों की गहन छानबीन जारी है।

वर्ली बीडीडी चॉल वासियों को मिलेगा अप्रैल में नया घर

मुंबई। दक्षिण मुंबई के वर्ली स्थित बीडीडी चॉल के रहवासियों को नए घर में जाने के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। म्हाडा द्वारा बनाई गई गगनचुंबी बिल्डिंग को अभी तक फायर ब्रिगेड की ओर से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं मिला है। इस वजह से 'ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट' (ओसी) भी जारी नहीं हो पाया है। इसलिए 556 बीडीडी चॉल वासियों को अप्रैल तक का इंतजार करना पड़ सकता है। म्हाडा वर्ली के बीडीडी की 121 चॉलों का पुनर्विकास कर रही है। इस परियोजना के तहत इमारत क्रमांक 1 में आठ विंग का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस इमारत की डी और ई विंग के 40 मंजिलों का कार्य पूरा हो चुका है। संभावना थी कि मार्च के अंत तक गुढीपाड़वा के शुभ अवसर पर 556 रहवासियों को उनके नए घर का कब्जा दे दिया जाएगा। म्हाडा ने इसकी तैयारी भी पूरी कर ली थी। लेकिन ओसी के कारण मामला लटक गया। म्हाडा अधिकारियों के अनुसार अप्रैल तक रहवासियों को घर का कब्जा सौंपा जा सकता है। लोअर परेल स्थित एनएम जोशी मार्ग बीडीडी चॉल के पुनर्विकास का काम भी चल रहा है। यहां की 32 चॉलों के 2,560 निवासियों के पुनर्वास के लिए 14 टावरों का निर्माण प्रस्तावित है। पहले चरण में 7 टावरों का निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिसमें से 2 बिल्डिंगों का कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा हो सकता है। इसीतरह नायगांव के बीडीडी चॉल में कुल 3,344 किराएदार रहते हैं। इनका पुनर्विकास दो चरणों में किया जाएगा।

ठाणे में घर-घर से कचरा उठेगा

आज शाम से सीपी टैंक से सफाई शुरू

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे में ठोस कचरे की समस्या पर काबू पाने के लिए सीपी झील से अटकोली के लैंडफिल में कचरे का स्थानांतरण शुरू हो गया है और अब ठाणे नगर निगम आयुक्त सौरभ राव ने आज ठोस अपशिष्ट विभाग को बेल ट्रकों के माध्यम से डोर-टू-डोर कचरा संग्रह कार्य तुरंत शुरू करने का निर्देश दिया है।

आज ठाणे मनपा की और से बताया गया है कि बुधवार 12 मार्च से ही सीपी टैंक में एकत्रित अपशिष्ट को अटकोली स्थित लॉन्च पैड पर भेजा जा रहा है, जहां 24 घंटे और तीन सत्रों में काम किया जा रहा है। औसतन 90 वाहन प्रतिदिन इस कचरे का परिवहन करते हैं और अब तक लगभग सात हजार मीट्रिक टन कचरे को सीपी टैंक से अटकोली स्थित लॉन्च पैड तक पहुंचाया जा चुका है। ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने बताया कि यह कार्य वैज्ञानिक तरीके से किया जा रहा है, पहले अटकोली भेजे जाने वाले कचरे पर दुर्गंध फैलने से रोकने के लिए खुशबू का छिड़काव किया जा रहा है, फिर मिट्टी की परत चढ़ाई जा रही है। आयुक्त सौरभ राव ने रविवार शाम को एक बार फिर वागले इस्टेट स्थित सीपी टैंक अपशिष्ट स्थानांतरण परियोजना का दौरा किया। उन्होंने वहां संग्रहीत कचरे को यथाशीघ्र अटकोली भेजने की योजना की समीक्षा की। इस दौरे के दौरान अपर आयुक्त प्रशांत रोडे, उपायुक्त (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) मनीष जोशी, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ। रानी शिंदे सहित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। चूंकि सी।पी। टैंक पर कचरा स्थानांतरण प्रक्रिया तेजी से शुरू हो गई है, इसलिए शहर में जमा कचरे को भी जल्द से जल्द उठाया जाना चाहिए। वहीं, आयुक्त राव ने इस निरीक्षण के बाद निर्देश दिए कि कचरा गाड़ियों के माध्यम से नियमित डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रणाली को तुरंत लागू किया जाए।

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का जून में होगा उद्घाटन, गौतम अडानी ने किया ऐलान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने रविवार को कहा कि नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन जून में किया जाएगा और यह कनेक्टिविटी और ग्रोथ को फिर से परिभाषित करेगा। अरबपति उद्योगपति ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एनएमआईएएल) साइट का दौरा किया और इसके साथ प्रोजेक्ट से जुड़ी टीमों से मुलाकात की। साथ ही अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर एक शॉर्ट वीडियो फिल्म शेयर करते हुए कहा कि आगामी एयरपोर्ट भारत के लिए एक सच्चा तोहफा है।

गौतम अडानी ने किया साइट का दौरा

गौतम अडानी ने पोस्ट में लिखा कि आज नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की साइट का दौरा किया और यहां एक नया वर्ल्ड क्लास एयरपोर्ट आकार ले रहा है। अडानी ग्रुप के चेयरपर्सन ने कहा कि नया एयरपोर्ट जून में उद्घाटन के लिए तैयार है और कनेक्टिविटी और ग्रोथ को फिर से परिभाषित करेगा। यह भारत के लिए एक सच्चा तोहफा है। अडानी ग्रुप के चेयरपर्सन ने आगे कहा कि इस विजन को वास्तविकता बनाने के लिए अदाणी एयरपोर्ट्स टीम और भागीदारों को बधाई।

ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के जल्द चालू होने का साफ

पिछले साल दिसंबर में एनएमआईएएल पर इंडिगो एयरलाइंस के ए 320 विमान की लैंडिंग के साथ पहली वाणिज्यिक सत्यापन उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की गई। इससे ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के जल्द चालू होने का मार्ग खुल गया। रनवे 08/26 पर हुए इस उड़ान परीक्षण की निगरानी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए), भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), सीमा शुल्क, इमिग्रेशन, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), महाराष्ट्र नगर एवं औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (सिडको), नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के साथ-साथ अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) और अन्य प्रमुख हितधारकों के वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से की गई थी।

केडीएमसी के परिवहन उपक्रम द्वारा महिला दिवस के निमित्त कार्यक्रम आयोजन

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका के परिवहन उपक्रम द्वारा महिला दिवस के निमित्त गणेश घाट आगार में महिला कर्मचारियों का डॉ। विजयकुमार द्वासे, परिवहन प्रबंधक के हाथों उचित सम्मान कर महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपक्रम में कार्यरत ठेकेदार महिला चालक, सुरक्षा रक्षक, सफाई कर्मचारी, शिपाई, लिपिक आदि संवर्ग की महिला कर्मचारियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। परिवहन प्रबंधक डॉ। विजयकुमार द्वासे के साथ लेखाधिकारी जितेंद्र सोनवणे, आगार प्रबंधक किशोर घाडी, कार्यालय अधीक्षक प्रिया निगडे और अन्य वरिष्ठ अधिकारी/कर्मचारी इस समारोह में उपस्थित थे। ASRTU, जो कि परिवहन क्षेत्र की शीर्ष संस्था है, ने महिला दिवस पर आयोजित महिला चालक कर्मचारियों के सम्मान समारोह में कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका के परिवहन उपक्रम की महिला चालक श्रीमती सविता आव्हाड की उपस्थिति को मान्यता दी। उन्हें नई दिल्ली में उनके मार्ग पर उत्पन्न और चालक पद पर सेवा के लिए उत्कृष्ट कार्य के आधार पर सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। महिला दिवस समारोह में सविता आव्हाड का भी सम्मान किया गया। महिला दिवस समारोह में उपस्थित महिलाओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने विशेष रूप से इस प्रकार के महिला सम्मान समारोह के आयोजन पर खुशी व्यक्त की और परिवहन प्रबंधक का दिल से आभार व्यक्त किया।

परिवहन प्रबंधक डॉ। विजयकुमार द्वासे ने अपने भाषण में कर्मचारियों के मुद्दों पर सकारात्मक दृष्टिकोण रखने और उचित मांगों को निश्चित रूप से दर्ज करने का आश्वासन दिया, जिससे कर्मचारियों को राहत मिली।

सड़क किनारे खड़े टेंपो में शव मिला

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर के खेमानी कब्रिस्तान की सड़क के किनारे खड़े एक टेम्पो में शव मिलने से परिसर में हड़कंप मच गया। टेम्पो में शव की अचानक बरामदगी से स्थानीय निवासियों में भय का माहौल है।अब पुलिस यह पता लगाने के लिए जांच कर रही है कि यह हत्या है की आत्महत्या। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह टेम्पो काफी समय से खेमानी परिसर में सड़क के किनारे खड़ा था, जिस पर आने-जाने वाले लोगों का ध्यान जाता था। जब कुछ लोगों ने टेम्पो के पर्दे के पीछे झांककर देखा तो अंदर एक शव पड़ा था। नागरिकों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सेंट्रल अस्पताल भेज दिया। प्रारंभिक जांच के दौरान शव के पास उत्तर प्रदेश के गोंठा ग्राम पंचायत का एक निवास प्रमाण पत्र मिला। पुलिस ने इस नाम की जांच शुरू कर दी है क्योंकि प्रमाण पत्र पर 'संतोष प्रभुनाथ प्रजापति' नाम लिखा हुआ है। पुलिस ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र कर लिए हैं तथा मृतक की पहचान की आधिकारिक पुष्टि के लिए जांच जारी रखी है।

हत्या या आत्महत्या?

यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि शव के पास मिला प्रमाण पत्र मृतक का है या किसी ने जानबूझकर उसे वहां रखा था। इसके अलावा, पुलिस यह स्पष्ट करने के लिए विभिन्न तरीक़े से जांच कर रही है कि मौत आत्महत्या थी या दुर्घटना। इस घटना ने पुलिस के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। टेम्पो यहां क्यों खड़ा था? शव वहां कैसे पहुंचा? क्या मृतक का उल्हासनगर से कोई संबंध है? और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह हत्या है या आत्महत्या? इन सभी मामलों की जांच अभी चल रही है।जल्द की सच सामने आएगा।

भाजपा कर रही औरंगजेब का महिमामंडन : हर्षवर्धन सपकाल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने राज्य की महायुति सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि औरंगजेब का मकबरा शिवाजी महाराज की बहादुरी का प्रतीक है, यह उस बहादुरी को मिटाने की साजिश है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी को भी औरंगजेब का महिमामंडन नहीं करना चाहिए, लेकिन भाजपा के प्रायोजक उसका महिमामंडन कर रहे हैं। सपकाल ने कहा कि औरंगजेब एक क्रूर शासक था, उसने अपने पिता को कैद कर लिया, अपने भाई की हत्या कर दी और अपने छोटे भाई को पागल घोषित कर दिया। उस क्रूर

औरंगजेब को मराठी लोगों ने इसी धरती में दफना दिया है। हमें छत्रपति शिवाजी महाराज की बहादुरी पर गर्व है, लेकिन भाजपा शिवाजी महाराज के इतिहास और बहादुरी को मिटाना चाहती है, इसलिए यह कहने की प्रवृत्ति है कि औरंगजेब की कब्र को ध्वस्त कर दिया जाना चाहिए।

शिवेंद्रराजे से किया सवाल

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का जन्म जिस विचारधारा से हुआ, उस विचारधारा ने छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक का विरोध किया था। यह वही विचार है, जिसने संत तुकाराम, संत ज्ञानेश्वर और सावित्रीबाई फुले को पीड़ा दी थी। छत्रपति शिवाजी महाराज की मृत्यु के बाद इसी सोच के कारण 200 वर्षों तक जनता को उनकी समाधि के बारे में पता नहीं चलने दिया गया। महात्मा ज्योतिबा फुले ने महाराज की समाधि की खोज की। इसके पीछे की योजना यह थी कि जनता को महाराज के विचारों और कार्यों के बारे में पता न चले। भाजपा संविधान का सम्मान नहीं करती, पूर्व सरसंघचालक गोलवलकर के 'बंच ऑफ थॉट्स' का सम्मान करती है।

मंत्री शिवेंद्रराजे को 'बंच ऑफ थॉट्स' पढ़नी चाहिए

उन्होंने कहा कि मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले को पूर्व सरसंघचालक गोलवलकर की 'बंच ऑफ थॉट्स' पुस्तक में छत्रपति संभाजी महाराज के बारे में जो लिखा है उसे पढ़ना चाहिए। आपको पढ़ना चाहिए कि सावरकर ने छत्रपति संभाजी महाराज के बारे में क्या लिखा है। भाजपा के बगलबच्चे लगातार छत्रपति शिवाजी और संभाजी का अपमान कर रहे हैं। सपकाल ने कहा कि भाजपा यही कर रही है कि अपमान करो और संरक्षण पाओ, अपमान करो और पुरस्कार पाओ। शिवेंद्रराजे भोसले उस सरकार में हैं, जो शिवाजी महाराज का अपमान करने वाले सोलापुरकरों और कोरटकरों को संरक्षण देती है।

एक माह से फरार आरोपी अरुणाचलम ने EOW के सामने किया सरेंडर

अब तक 6 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पिछले दिनों आरबीआई ने मुंबई स्थित न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक पर कई तरह के बैन लगाए थे। जिसके बाद ग्राहकों में हड़कंप मच गया था। इस बैंक में 122 करोड़ का घोटाला सामने आया था। जिसके बाद पूर्व महाप्रबंधक और खातों के प्रमुख हितेश मेहता को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में एक आरोपी अब तक फरार था। फरार चल रहे अरुणाचलम उल्लानाथन मारुथुवर को लेकर रविवार को पुलिस ने बड़ी जानकारी दी है।

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने रविवार को न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपये के गबन के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि पिछले एक महीने से फरार चल रहे अरुणाचलम उल्लानाथन मारुथुवर (62) ने रविवार को सुबह दक्षिण मुंबई स्थित ईओडब्ल्यू कार्यालय में सरेंडर कर दिया।

अरुणाचलम को 18 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेजा

ईओडब्ल्यू अधिकारी ने बताया कि सरेंडर करने के बाद अरुणाचलम मारुथुवर को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 18 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में यह छठी गिरफ्तारी है। पुलिस के मुताबिक, अरुणाचलम को सहकारी बैंक के पूर्व महाप्रबंधक और खातों के प्रमुख हितेश मेहता से गबन की गई राशि में से लगभग 30 करोड़ रुपए मिले थे।

सिविल ठेकेदार कपिल देधिया को गुजरात से किया गिरफ्तार

वित्तीय अपराध निरोधक इकाई ने शुक्रवार को वांछित आरोपी और सिविल ठेकेदार कपिल देधिया को पड़ोसी गुजरात के वडोदरा से गिरफ़्तार किया। यहां की एक अदालत ने उसे 19 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि गबन की गई राशि में से 12 करोड़ रुपए उसके खाते में जमा किए गए थे।

क्या है मामला?

पुलिस के अनुसार, न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के मुंबई स्थित प्रभादेवी और गोरेगांव कार्यालयों की तिजोरियों से पूर्व महाप्रबंधक हितेश मेहता ने 122 करोड़ रुपये निकाल लिए थे। इस मामले में जांच जारी है।

बैंक में गबन के मामले में 6 आरोपियों की गिरफ्तारी के अलावा कुछ और व्यक्तियों को भी वांछित आरोपी बनाया गया है, जिनमें बैंक के पूर्व चेयरमैन हिरेन भानु और उनकी पत्नी, पूर्व वाइस चेयरमैन गौरी भानु भी शामिल हैं, जो घोटाला सामने आने से ठीक पहले विदेश भाग गए थे।

गौतम अडाणी ने सीएम फडणवीस से की मुलाकात

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और बिजनेसमैन गौतम अडाणी के बीच खिचड़ी पकने की खबर सामने आ रही है। देश के जाने माने बिजनेसमैन गौतम अडाणी देर रात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास सागर पहुंचे और सीएम से मुलाकात की। जाने माने बिजनेसमैन अडाणी सागर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिले, लेकिन दोनों की मुलाकात की वजह सामने नहीं आई पाई है।

इस मौके का फायदा विपक्ष ने पूरी तरह से उठाया है। वहीं गौतम अडाणी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की देर रात हुई इस मुलाकात पर विपक्ष ने कई सवाल खड़े कर दिए है, लेकिन ये पहली बार नहीं है कि गौतम अडाणी सीएम से मिलने पहुंचे है। इससे पहले भी गौतम अडाणी एकनाथ शिंदे के सीएम रहते हुए भी उनसे मिलने इस तरह जा चुके हैं। कहा जा रहा है महाराष्ट्र में कई प्रोजेक्ट्स को लेकर दोनों में बातचीत हुई है। इन दिनों अडाणी ग्रुप को मुंबई के मोतीलाल नगर पुनर्विकास योजना का टेंडर भी मिला है।

धारावी झुग्गी पुनर्विकास परियोजना

मुंबई में धारावी झुग्गी पुनर्विकास परियोजना से जुड़े अडाणी ग्रुप ने मोतीलाल नगर के पुनर्विकास के लिए 36,000 करोड़ रुपये की बोली जीती। मोतीलाल नगर-1, 2 और 3 मुंबई की सबसे बड़ी आवास पुनर्विकास परियोजनाओं में से एक है। यह परियोजना उपनगरीय इलाके गोरेगांव (वेस्ट) में 143 एकड़ में फैली हुई है।

20 प्रतिशत राज्य सरकार की हिस्सेदारी

इस प्रोजेक्ट के लिए अडाणी समूह को आवंटन पत्र (एलओए) निर्धारित समय में जारी कर दिया जाएगा। हालांकि, अडाणी समूह ने इस घटनाक्रम पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। अडाणी समूह पहले से ही एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्तियों में शामिल धारावी का पुनर्विकास कर रहा है। धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (अब नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड) में अडाणी समूह की 80 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि बाकी 20 प्रतिशत हिस्सेदारी राज्य सरकार की है।

2026 तक 2,000 स्वास्थ्य केंद्र सौर ऊर्जा में आत्मनिर्भर हो जाएंगे : सीएम

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि वर्ष 2026 तक 2,000 स्वास्थ्य केंद्र सौर ऊर्जा में आत्मनिर्भर हो जाएंगे। उनकी सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। इससे पर्यावरण के प्रति जागरुकता बढ़ेगी, कार्बन उत्सर्जन कम होगा और प्रदूषण पर नियंत्रण होगा। इस परियोजना के लिए आइकिया कंपनी और सेल्को फाउंडेशन संयुक्त रूप से राज्य सरकार को 50 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी सरकार ने राज्य के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को सौर ऊर्जा पर आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा है। इसका उद्देश्य राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को गैर-परंपरागत ऊर्जा की सहायता से सशक्त बनाना है।

इसके फलस्वरुप सेल्को फाउंडेशन के सहयोग से 18 जिलों के केंद्रों को सौर ऊर्जा प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 8 जिलों के स्वास्थ्य केंद्र सौर ऊर्जा से चलने

लगे हैं और जल्द ही शेष 10 जिलों में भी ये परियोजनाएं लागू की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना पर काम दो चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में 250 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सौर ऊर्जा का कार्य पूरा हो चुका है तथा जून 2026 तक अन्य 2,000 केन्द्र सौर ऊर्जा पर आत्मनिर्भर हो जायेंगे। इससे 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति होगी, बिजली की लागत बचेगी और स्वास्थ्य सुविधाएं अधिक कुशल बनेंगी।

हिंदुस्तान के बनेंगे दो राष्ट्र : संजय राउत

दिल्ली में इफ्तारी का जश्न तो महाराष्ट्र में विरोध क्यों?

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि देश में मौजूदा माहौल ठीक नहीं है। दिल्ली में सीएम रेखा गुप्ता ने इफ्तार पार्टी का आयोजन किया है, लेकिन महाराष्ट्र में बीजेपी के मंत्री इफ्तार पार्टी पर आपत्ति जता रहे हैं। महाराष्ट्र में बीजेपी के मंत्री मुसलमानों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी भी कर रहे हैं। इसलिए पीएम मोदी को इसमें अपनी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए।

संजय राउत ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि एक तरफ दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता इफ्तार पार्टी आयोजित कर रही है और इफ्तार पार्टी में शरीक हो रही है। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में बीजेपी के मंत्री इफ्तार का विरोध कर रहे हैं ये कौन-सी राजनीति है, कौन सा ढोंग है? ऐसा इसलिए क्योंकि जब तक तनाव पैदा नहीं होता तब तक वह चुनाव नहीं जीत पाएंगे। यह इलेक्शन नहीं कर पाएंगे। महाराष्ट्र की हालत क्या हो गई है। देश की हालत क्या हो गई है। जुम्मा और होली एक दिन शुक्रवार को आ गई तो देश में कोई पहाड़ नहीं टूट पड़ा है।

मुसलमान और हिंदुत्व के लिए अलग-अलग दुकान

शिवसेना-यूबीटी सांसद संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में यह नव हिंदुत्ववादी हैं जो अब तक किसी और पार्टी में थे। जो लोग आरएसएस बीजेपी और स्वतंत्र वीर सावरकर को गाली दे रहे थे, बीजेपी में आ गए हैं और यहां आने के बाद जिस तरीके से उनकी भाषा चल रही है वह ठीक नहीं है। मुसलमान और हिंदुत्व के लिए अलग-अलग दुकान क्या है, ऐसे देश कभी चलता है? उन्होंने आगे कहा कि मोहन भागवत अखंड हिंदुस्तान की बात करते है और अखंड हिंदुस्तान में आप ही दो राष्ट्र बना रहे हो। एक हिंदुत्ववादी लोगों के लिए और एक मुसलमान के लिए यही हालत विभाजन से पहले हमारे देश में थी। तब डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा था, मोहन भागवत बार-बार इस प्रकार के विभाजित बयान देते हैं।

भागवत के बयान का पालन कौन करेगा: राउत

संजय राउत ने कहा कि मोहन भागवत का बयान आता है कि हमारा और उनका दोनों का डीएनए एक समान है तो उनके बयान पर अमल कौन करेगा। बीजेपी तो आप ही की पार्टी है। बीजेपी में जितने लोग शामिल हुए हैं उनके ऊपर नियंत्रण कौन रखेगा? जिनकी जुबां चल रही है उन पर नियंत्रण रखना चाहिए यह कौन करेगा? संजय राउत ने कहा कि "आप देश का माहौल बिगड़ने की कोशिश कर रहे हैं यह जो लोग बयान दे रहे हैं उनके मुंह पर सिलाई कौन मारेगा।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए CM फडणवीस लें फैसला : अठावले

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में मुगल शासक औरंगजेब को लेकर सियासत गरमाई हुई है। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के औरंगजेब की प्रशंसा किए जाने के बाद इस मामले ने तूल पकड़ लिया है।राजनीतिक और धार्मिक संगठन औरंगजेब की कब्र और मकबरे को हटाए जाने की मांग कर रहे हैं।इस बीच केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री रामदास आठवले का बयान सामने आया है।उनका कहना है कि कब्र के संबंध में सूबे के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस फैसला लें।

रामदास आठवले ने सातारा में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इतिहास तो इतिहास है, सभी को इसकी जानकारी है, लेकिन अब कानून और व्यवस्था बनाए रखते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को इस पर उचित निर्णय लेना चाहिए।दरअसल महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित 'छावा' फिल्म काफी चर्चा में है। इसी के चलते विभिन्न संगठनों और नागरिकों ने औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग की है।इस मुद्दे को लेकर बवाल मचा हुआ है।

'कब्र हटाने या बदलाव के लिए कानून का पालन जरूरी'

दरअसल कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री फडणवीस ने औरंगजेब की कब्र को लेकर कहा था कि यह सिर्फ उनकी सरकार का नहीं बल्कि सभी लोगों का सवाल है कि क्या यह कब्र हटाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि औरंगजेब की कब्र कांग्रेस सरकार के समय संरक्षित की गई थी और यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के अधीन है।सीएम ने कहा कि इसे हटाने या कोई बदलाव करने के लिए कानून का पालन करना जरूरी होगा।उन्होंने कहा कि इस विषय पर जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है।

'आरपीआई को एक मंत्री पद दिया जाना चाहिए'

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल में एक सीट खाली है, जो आरपीआई (रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया) को मिलनी चाहिए।आठवले ने कहा कि चुनाव में आरपीआई के समर्थन की वजह से ही महायुति को 237 विधानसभा सीटें जीतने में सफलता मिली है, इसलिए आरपीआई को एक मंत्री पद दिया जाना चाहिए।

'नितेश राणे को इतनी कट्टरपंथी सोच नहीं अपनानी चाहिए'

इसके अलावा हलाल सर्टिफिकेट के विरोध में मल्हार सर्टिफिकेट की घोषणा करने वाले मंत्री नितेश राणे के बयान पर भी रामदास आठवले ने प्रतिक्रिया दी।उन्होंने कहा कि नितेश राणे को इतनी कट्टरपंथी सोच नहीं अपनानी चाहिए।दरअसल राणे ने मटन की दुकानों के लिए एक नए सर्टिफिकेट की घोषणा की है, जो सिर्फ उन दुकानों को दिया जाएगा, जिन्हें हिंदू चलाते हैं।

औरंगजेब की कब्र विवाद

इसमें हमारे जैसे किसी राजनेता को दखल नहीं देना चाहिए : सुप्रिया सुले

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

औरंगजेब की कब्र को लेकर उपजे विवाद के बीच शरद पवार की बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले का बयान सामने आया है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने इसे हटाने की मांग की है। इस पर सुप्रिया सुले ने कहा कि ये किसी राजनीतिक दल का विषय नहीं है। ये ऐतिहासिक विषय हैं। इसमें हमारे जैसे किसी राजनेता को दखल नहीं देना चाहिए। ये इतिहास का विषय है और इतिहासकारों को इस पर राय देनी चाहिए। हम इन विषयों पर हमें पुख्ता जानकारी नहीं होती है।

सरकार का फोकस विकास पर होना चाहिए: सुले

सुप्रिया सुले ने कहा, 'मैं महाराष्ट्र सरकार से अपील करती हूं कि वह इसमें न पड़ें हो और विशेषज्ञों को इस पर फैसला लेने दें। सरकार सेवा के लिए होती है। उन्हें भ्रष्टाचार पर फोकस करना चाहिए। न खाऊंगा, न खाने दूंगा उनकी लाइन है, राज्य में भ्रष्टाचार का क्या हुआ?

बता दें कि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने चेतावनी दी है कि अगर औरंगजेब की कब्र को सरकार ने नहीं हटाया तो हम कारसेवा कर उसको हटा देंगे।

पुलिस ने बढ़ा दी सुरक्षा

बीजेपी के सहयोगी और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि छत्रपति संभाजीनगर जिले में मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग का विरोध करते हुए कहा कि ऐसे कदम से किसी उद्देश्य की पूर्ति नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने दलील दी कि औरंगेजब की कब्र उसके द्वारा किए गए बुरे कामों को दिखाती है।

Change Of Name

I HAVE CHANGED MY NAME FROM D B PAL TO DIGAMBAR BAHADUR AS PER DOCUMENTS

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

विधान परिषद उपचुनाव के लिए BJP ने जारी की 3 उम्मीदवारों की लिस्ट

महाराष्ट्र में होने वाले विधान परिषद उपचुनाव के लिए बीजेपी ने तीन उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। जिन उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं, उनमें संदीप दिवाकररव जोशी, संजय किशनराव केनेकर और दादाराव यादवराव केचे शामिल हैं। महाराष्ट्र में विधान परिषद की पांच सीटों पर उपचुनाव होने हैं। 27 मार्च को चुनाव होगा।

बीजेपी ने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं जबकि शिवसेना और एनसीपी में नामों को लेकर मंथन जारी है। नवंबर 2024 के विधानसभा चुनाव में पांच विधान पार्षदों की जीत के कारण उपचुनाव की जरूरत पड़ी है। पांच नए एमएलसी को चुनने के लिए मौजूदा विधायक मतदान करेंगे।

फडणवीस के करीबी हैं संदीप जोशी

संदीप जोशी नागपुर के पूर्व महापौर रहे हैं। वह आरएसएस के गढ़ नागपुर से आते हैं। उन्हें सीएम फडणवीस का करीबी माना जाता है। संजय केनेकर पार्टी के ओबीसी चेहरे हैं। वह छत्रपति संभाजीनगर से आते हैं। पूर्व विधायक दादाराव केचे को विधानसभा चुनाव के समय टिकट नहीं दिया गया था, इसलिए अब उन्हें विधान परिषद में मौका दिया जा रहा है।

नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 20 मार्च

महाराष्ट्र विधान परिषद की 5 सीटों के लिए 17 मार्च तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे। 18 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 20 मार्च है। 27 मार्च को मतदान होगा। उसी दिन नतीजे घोषित किए जाएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा में इस समय बीजेपी के 132, शिंदे की शिवसेना के 57 और एनसीपी अजित पवार गुट के 41 विधायक हैं।

शिवसेना-NCP में फंसा है पेंच

विधानसभा में पहुंचे विधान पार्षदों में से तीन बीजेपी से हैं, जबकि एक-एक विधायक शिवसेना और एनसीपी से हैं। तीनों ही दल सत्तारूढ़ महायुती का हिस्सा हैं। बीजेपी ने रविवार को उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। शिंदे गुट की शिवसेना और अजित पवार गुट एनसीपी में नामों को पेंच फंसा है।

कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, कल्याण

संगणक विभाग

ई-निविदा सुचना क्रमांक-२०२४-२५/१७ (दुसरी मागणी)

आयुक्त, कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका खालील कामाकरीता नोंदणीकृत कंपनी किंवा भागीदारी संस्था किंवा संस्था यांचेकडून खालील कामांकरीता दोन लिफाफा पध्दतीने ई-निविदेद्वारे अर्ज मागवित आहेत.

अ. क्र.	कामाचे नाव तपशिल	निविदा रक्कम	कोरे निविदा फॉर्म फी	निविदा अनामत रक्कम	काम पूर्ण करण्याचा कालावधी
१	कल्याण डोंबिवली महानगरपालिकेत विविध कार्यालय व प्रभागक्षेत्र येथे युपीस पूरविणे	रु.५४,८८,९९२/-	रु.११८०/-(जी. एस.टी.सह)	रु ५५,०००/-	२ महिने

अटी व शर्ती:

१. कामाची सविस्तर निविदा सुचना व कोरे निविदा फॉर्म www.mahatenders.gov.in या संकेत स्थळावर दि.१७/०३/२०२५ ते दि.२४/०३/२०२५ पर्यंत दुपारी ३.०० वाजेपर्यंत उपलब्ध आहेत.

२. निविदा ई-टेंडरिंग कार्यप्रणालीव्दारे दि.१७/०३/२०२५ ते दि.२४/०३/२०२५ रोजी दुपारी ३.०० वाजेपर्यंत भरता येतील.

३. निविदा शक्य झाल्यास रोजी दि.२५/०३/२०२५ रोजी दुपारी ३.३० वाजता ई. टेंडर सेल क.डो.म.पा. येथे उघडण्यात येतील.

४. कोणतेही कारण न देता एक किंवा सर्व निविदा नाकारण्याचा अधिकार आयुक्त, क.डों.म.पा. यांनी राखून ठेवला आहे व त्यांचा निर्णय कायदेशीररित्या सर्व निविदा धारकांसाठी बंधनकारक राहील.

हस्ता/-
आयुक्त
कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, कल्याण

जा. क. कडोंमपा/जसंवि / मुका/ २८१
दिनांक- १३/०३/२०२५

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

भेदभाव-दमन का परिणाम है ट्रेन अपहरण

पाकिस्तान के अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने मंगलवार को जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का अपहरण कर संकेत दिया कि बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग करने की मांग खत्म नहीं हुई है। बलूचिस्तान के क्वेटा से सुबह 9 बजे यह ट्रेन पेशावर के लिये निकली थी। दोपहर 1.30 बजे सिब्बी पहुंचने वाली इस ट्रेन को उसके पहले पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है जहां 17 सुरंगें पड़ती हैं। बताया गया कि इसमें लगभग 500 यात्री सवार थे जिनमें 100 से ज्यादा पाक सेना के जवान थे। इसलिये इस ट्रेन के अपहरण और हमले की योजना बनाई गई। पहले भी इस ट्रेन पर हमले हो चुके हैं। इस बार बोलान के माशफाक टनल में अलगाववादियों ने इसे कब्जे में ले लिया। अपहरणकर्ताओं की मांग है कि पाकिस्तान की जेलों में बन्द सभी बलोच नेताओं को छोड़ा जाये। वैसे तो उन्होंने महिलाओं, बच्चों तथा बलूचियों को मुक्त कर दिया लेकिन सैनिकों को कब्जे में रखा हुआ है। कुछ यात्रियों के भी अपने कब्जे में होने का उन्होंने दावा किया है। उन्होंने धमकी दी है कि यदि बलूची नेता रिहा नहीं हुए तो हर घंटे 5 पाक सैनिकों को वे मारेंगे। वैसे पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अनेक बन्धकों को छुड़ा लिया। उनका दावा है कि इस ऑपरेशन में 16 चरमपंथी मारे गये। दूसरी तरफ यह भी बताया जाता है कि अपहरणकर्ताओं ने ट्रेन पर गोले दागे तथा ट्रेन को घेर लिया है। कुछ यात्रियों के मरने की भी खबरें हैं। दुर्गम इलाका होने के कारण वहां बचाव व राहत में मुश्किलें आ रही हैं। इस घटनाक्रम को समझने के लिये इतिहास में उतरना होगा। जब से भारत को आजादी मिली तभी से बलूचियों की यह मांग रही है कि उन्हें पाकिस्तान से अलग होना है। बलूचियों का मानना रहा है कि अंग्रेजी शासनकाल के पहले से ही उसका स्वतंत्र अस्तित्व रहा है लेकिन जब भारत को आजादी मिली तथा उसे दो मुल्कों में बांट दिया गया तब गलत तरीके से बलूचिस्तान को पाकिस्तान में मिलाया गया। तथ्यात्मक रूप से यह सही भी है। आरम्भिक वर्षों में तो इसकी शांतिपूर्ण तरीके से मांग होती रही लेकिन पाकिस्तान सरकार के दमन से मामला बिगड़ गया। प्रशासन में पंजाब को मिलते महत्व से बलूचिस्तान की वैसी ही उपेक्षा हुई जिस प्रकार सिंध की होती है तथा कभी उसके पूर्वी पाकिस्तान कहे जाने वाले वर्तमान बांग्लादेश की हुई थी। देश के भूगोल में इस प्रांत की 44 फीसदी की हिस्सेदारी है। ईरान, अफगानिस्तान तथा अरब सागर से घिरा यह इलाका प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है लेकिन उसका लाभ यहां के लोगों को बहुत कम मिलता है। पंजाब प्रांत के कारोबारियों का इस पर वर्चस्व है। गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा आदि के अलावा यहां के लोगों को बुनियादी सुविधाओं का बेहद अभाव है। बलूचियों व पश्तूनों वाले इस क्षेत्र की पहचान तथा संस्कृति को मिटाने के आरोप भी पाकिस्तानी सरकार पर लगते रहे हैं- फिर वह चाहे किसी की भी रही हो। 1971 में जब बांग्लादेश की अवाम ने सशस्त्र विद्रोह कर पाकिस्तान से मुक्ति पाई थी, तब यहां भी बलूचिस्तान को स्वतंत्र करने के लिये कई राष्ट्रवादी संगठन बने जिनमें से कुछ ने हथियारबन्द विद्रोह का रास्ता अपनाया। इनमें से कुछ का अस्तित्व पहले से था लेकिन उन सभी को बांग्लादेश की घटना से प्रेरणा एवं उत्साह मिला था। बांग्लादेश के घटनाक्रम से कोई सबक न लेकर पाक सरकार ने पूर्ववत रवैया जारी रखा। उस दौरान जब राष्ट्रवादी संगठनों की हलचलें तेज़ हुईं तो पाकिस्तानी सेना द्वारा 'ऑपरेशन सर्चलाइट' चलाकर हजारों बलूचियों को या तो गिरफ्तार किया गया या मार डाला गया। कई नौजवान लापता हो गये जिनके बारे में कहा जाता है कि वह सेना की ही करतूत थी।

विपश्यना ध्यान से राजनीतिक शुद्धिकरण हो तो यही है सबसे श्रेष्ठ योग

राजेश कसेरा
वरिष्ठ पत्रकार, राजनीतिक विश्लेषक और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के जानकार हैं। देश के कई प्रतिष्ठित समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के लिए लिखते हैं। ख्यात समाचार पत्रों में संपादक की भूमिका भी निर्वहन किया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद से आम आदमी पार्टी और उसके संयोजक अरविंद केजरीवाल के भविष्य को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं? इनमें सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि बिना पद और पावर के केजरीवाल क्या करेंगे? हालांकि कई तरह की चर्चाएं, अफवाहें और बातें सामने आईं कि वे पंजाब के अगले मुख्यमंत्री हो सकते हैं? वहां से राज्यसभा से संसद में आ सकते हैं? फिर से अपनी राजनीतिक जमीन को मजबूत करने के लिए जुट सकते हैं। पंजाब के होशियारपुर स्थित योग केंद्र में 10 दिनों तक विपश्यना ध्यान करने के बाद तो यही लगता है कि केजरीवाल फिर से खड़े होने के लिए कमर कस रहे हैं।

चुनाव में हार के बाद केजरीवाल गत 5 मार्च को विपश्यना के लिए पंजाब पहुंचे। पिछली बार भी इसी केंद्र पर आए थे। इससे पहले धर्मकोट, नागपुर और बेंगलुरु में भी विपश्यना सत्रों में गए थे। लेकिन इस बार निजी तौर पर काफी नुकसान झेलने के बाद वे 10 दिनों तक चिंतन-मनन करने को गए। नई दिल्ली विधानसभा सीट से उनको चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। उनकी पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। जिस जमीन से साल 2013 में दमदार तरीके से केजरीवाल खड़े हुए, वहीं पर सब केवल 12 सालों में बिखर गया। ऐसे में साल 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए अभी से जुट गए हैं। इसकी शुरुआत विपश्यना ध्यान से की। यह प्राचीन भारतीय ध्यान पद्धति है, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है, देखकर लौटना। इसमें हिस्सा लेने वाले लोग कुछ वक्त के लिए संचार प्रक्रिया से खुद को अलग कर लेते हैं। इस दौरान वे किसी से संवाद स्थापित नहीं करते। इसे आत्म शुद्धि और आत्म निरीक्षण का बेहतरीन ध्यान पद्धति के तौर पर माना गया है। इसके माध्यम से तनाव से मुक्ति भी मिलती है। भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने और मुख्यमंत्री आवास को शीशमहल बनाने जैसे दो बड़े मुद्दों पर केजरीवाल और उनकी पार्टी इस कदर फंसी कि सत्ता से बाहर हो गई। तीसरी बार दिल्ली की सत्ता पर कब्जा जमाने के सपने कांच की तरह बिखर गए। केवल केजरीवाल चुनाव नहीं हारे, उनके सारे मजबूत नेता भी जनता की ओर से दरकिनार कर दिए गए।

आम आदमी पार्टी का उदय दिल्ली से हुआ था। पहली जीत भी यही मिली थीं। आप 2013 से लगातार दिल्ली विधानसभा चुनाव जीत रही थी, लेकिन 2025 में उसका विजय रथ थम गया। इस हार का सिलसिला केवल दिल्ली से नहीं शुरू हुआ हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों से हो गया था। यानी पार्टी के पतन का बिगुल तो काफी पहले से बज गया था, पर इसे दुर्भाग्य ही कहेंगे कि केजरीवाल और उनकी पार्टी के सभी सिपहसालारों को ये सुनाई क्यों नहीं दिया?

शराब घोटाले में जेल जाने और बाद में सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर बाहर आने के बाद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर दांव चला था कि जनता तय करेगी कि वे ईमानदार हैं या नहीं? यदि केजरीवाल को जीत मिलती तो इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता और भाजपा पर हमला

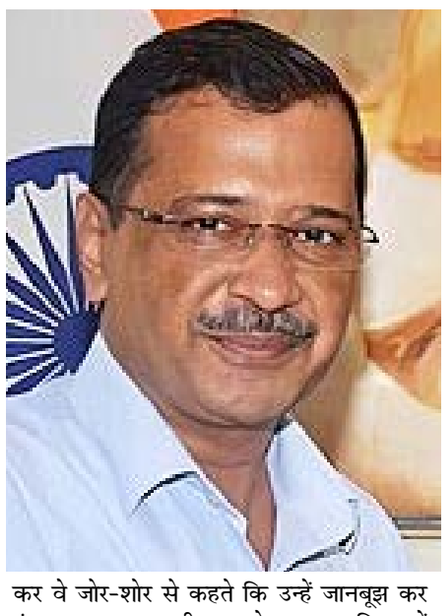

कर वे जोर-शोर से कहते कि उन्हें जानबूझ कर फंसाया गया था। इसी तरह से इस साल बिहार में विधानसभा चुनाव हैं। यदि केजरीवाल जीत जाते तो विपक्ष बिहार में भाजपा के खिलाफ आत्मविश्वास के साथ गोलबंदी कर सकता था। केजरीवाल आप को दिल्ली और पंजाब से बाहर ले जाने की कोशिश में शुरू से लगे थे, लेकिन इस हार से सारी कोशिशों पर ब्रेक लग गया। दिल्ली की जनता ने केजरीवाल के भविष्य को लेकर उठे सारे जवाब दे दिए।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार का गहरा असर पंजाब पर भी निश्चित तौर पर दिखेगा, इस बात को केजरीवाल और उनकी पार्टी के विश्लेषक अच्छी तरह से जानते हैं। फिलहाल साल 2027 अभी दूर है, पर पंजाब में आप की वापसी आसान नहीं दिख रही। केजरीवाल की हार पंजाब में न केवल कांग्रेस के लिए राहत की बौछारें लेकर आई हैं बल्कि भगवंत मान के लिए भी ताजे हवा के झोंके की तरह है। क्योंकि उन पर और उनकी सरकार पर आरोप लगते रहे कि सारे फैसले दिल्ली से होते हैं। केजरीवाल के लिए इस समय सबसे बड़ी दुविधा यही है कि उसे सीधे तौर पर लड़ना किससे है? भाजपा से या कांग्रेस से। केजरीवाल ने देशभर में कांग्रेस को कमजोर करने का काम किया। आम आदमी पार्टी की राजनीति वैचारिक रूप से भ्रम फैलाने का काम करती है। दिल्ली में मिली हार के बाद सभवतः केजरीवाल विपश्यना ध्यान में ये आत्मसात कर पाएं कि आखिर उन्हें चलना किस दिशा में है? केजरीवाल को कुछ लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देने के रूप में देखते थे। कुछ राजनीतिक विश्लेषक मानते थे कि वे भाजपा की बहुसंख्यकवाद की राजनीति का गवर्नेंस के मुद्दे से अच्छे ढंग से मुकाबला कर रहे थे। पर यहां एक और सवाल खड़ा हो गया कि बहुसंख्यकवाद की राजनीति को काउंटर करने के लिए और क्या बेहतर तरीका हो सकता है। भाजपा हिन्दुत्व और गवर्नेंस दोनों को साथ लेकर चल रही है। मौजूदा हालात में इस राजनीति को चुनौती देने के लिए विपक्ष के पास कारगर हथियार दिख नहीं रहे। दिल्ली गंवाने के बाद तो केजरीवाल को खुद की राजनीति को प्रासंगिक बनाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार ने क्षेत्रीय दलों की कमजोर स्थिति को भी और उजागर कर दिया। भाजपा ने कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों को सत्ता और जनाधार से बाहर कर दिया। ओडिशा में नवीन पटनायक को पटखनी दी तो बिहार में जेडीयू को जूनियर पार्टनर बना लिया। महाराष्ट्र में शिवसेना को पस्त कर दिया तो हरियाणा से आईएनएलडी निष्प्रभावी हो गई। तेलंगाना में बीआरएस पिछड़ गईं तो उत्तर प्रदेश में बसपा साफ हो गई। इससे ये भी स्पष्ट हो गया कि देश की जनता ऐसे राजनीतिक दलों पर भरोसा जता रही हैं जो राष्ट्रवाद के साथ गुड गवर्नेंस के आधार को मजबूती देने की बात करते हैं।

rajesh.kasera8@gmail.com

जीवन मंत्र

अमृत साधना

मन रे जागत रहिए भाई

जो लोग बिना थके निरंतर काम करते रहते हैं, दरअसल उनके अंदर चक्रों की शक्ति काम करती है। लेकिन इसके लिए मन का जागना बहुत जरूरी है। इसलिए जागते रहिए।

मन रे जागत रहिए भाई/ गाफिल होई बसत मति खोवै, चोर मुसै घर जाई/ षट चक्र की कनक कोठरी, बस्त भाव है सोई।

यह बात कही है संत कबीर ने, स्वयं से ही। वह अपने ही मन से कह रहे हैं कि जागते रहो भैया! गाफिल मत रहो। गाफिल रहे, तो मति भ्रष्ट होगी और भीतर चोर घुस आएगा। कबीर किस चोर की बात कर रहे हैं? ओशो बहुत बढ़िया समझाते हैं। वह कहते हैं, चोर है इंसान की बेहोशी, असावधानी। जो भी आपको प्रतिक्रिया में ले जाए, वह सभी चोर है। किसी ने गाली दी और आप प्रभावित हो गए, पलटकर आपने

उसे गालियां दीं, तो मानो चोर भीतर घुस गया, अब यह चोर आपको नुकसान पहुंचाएगा। गाली देने वाला आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता था, उसकी कोई सामर्थ्य न थी। लेकिन आपने चोर को भीतर बुला लिया। आप क्रोधित हो गए। अब नुकसान तो होगा।

किसी ने सम्मान किया, सम्मान में कोई खतरा नहीं है। लेकिन आप अकड़ गए, आपमें अहंकार आ गया। चोर भीतर घुस गया! चोर आपके कारण भीतर घुसता है, किसी दूसरे के कारण नहीं। इस प्रकार देखें, तो पल-पल हम बाहर से प्रभावित होते रहते हैं। अपनी चाबी हमने दूसरों के हाथ में दे रखी है। हमारा स्वयं पर भरोसा नहीं है, इसलिए दूसरों की राय महत्वपूर्ण हो गई है। इसलिए कबीर अपने मन को समझा रहे हैं, उससे प्यार से बात कर रहे हैं कि मेरे भाई, जागे रहना। मन से लड़कर कोई जीत नहीं पाया। मानव मन बहुत ही शक्तिशाली है, लेकिन प्यार से उसे मनाया जा सकता है।

एक और कुंजी छिपी है इस दोहे में। हमारे शरीर के भीतर छह चक्र हैं, जो बड़ी ताकत रखते हैं, जिनके भीतर छिपी है चेतना। ये चक्र बहुत मूल्यवान हैं, इसलिए इसे कहा है- कनक कोठरी, यानी सोने की कोठरी। ये छह चक्र इस स्थूल शरीर के हिस्से नहीं हैं। इस शरीर के भीतर जो छिपा है, उस सूक्ष्म शरीर के हिस्से हैं। इन छह चक्रों के कारण ही आप ऊर्जावान हैं। इन छह 'डायनेमोज' द्वारा आपके भीतर ऊर्जा पैदा हो रही है, जैसे 'डायनेमो' पैदा करता है बिजली को। लेकिन इन चक्रों को जगाना पड़ता है, अन्यथा वे सोये रहते हैं। जब ये छह चक्र ठीक-ठीक सक्रिय हो जाते हैं, तब मानव के जीवन में बड़ी ऊर्जा का आविर्भाव होता है। तब आप अनथके जीते हैं। तब आपके भीतर एक बाढ़ होती है ऊर्जा की। फिर उसे कितना ही बांटो, घटती नहीं। तब आप सतत तरोताजा रहते हैं।

जो लोग बिना थके निरंतर काम करते रहते हैं, दरअसल उनके अंदर चक्रों की शक्ति काम करती है। लेकिन इसके लिए मन का जागना बहुत जरूरी है। इसलिए जागते रहिए।

जीवन ऊर्जा

कल्पना चावला : जन्म 17 मार्च 1962

जन्म

भारत की महान बेटी-कल्पना चावला करनाल, हरियाणा, भारत में जन्मी थी। उनका जन्म 17 मार्च सन् 1962 में हुआ था। कल्पना चावला एक भारतीय अमरीकी अन्तरिक्ष यात्री और अन्तरिक्ष शटल मिशन विशेषज्ञ थी और अन्तरिक्ष में जाने वाली प्रथम भारतीय महिला थी। अन्तरिक्ष यात्री बनने से पहले वे एक सुप्रसिद्ध नासा कि वैज्ञानिक थी। 1 फरवरी 2003 को कल्पना का अंतरिक्ष यान पृथ्वी पर लौटते वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में मिशन में शामिल सातों लोगों की मौत हो गई, जिसमें कल्पना चावला भी शामिल थीं।

कुछ ऐसा करो जिसे आप सच में करना पसंद करते हो

हमने आकाशगंगा को स्वप्न में देखा और एक बार कुछ शूटिंग सितारों को पकड़ा। ऐसे समय ने मुझे आश्चर्य करने और उन सभी बुनियादी सवालों को पूछने का मौका दिया। स्वर्ग के लिए विस्मय की भावना वहीं से शुरू हुई।

यदि आप कुछ करना चाहते हैं, तो इससे क्या फर्क पड़ता है कि आप किस स्थान पर हैं? भौतिक हित ही एकमात्र मार्गदर्शक प्रकाश नहीं हैं। कुछ ऐसा करो जिसे आप सच में करना पसंद करते हो। अगर आप बस इसे अपना लक्ष्य समझकर कर रहे हो और उसे करने की प्रक्रिया का आनंद नहीं ले रहे हो, तब मुझे लगता है कि आप खुद के साथ विश्वासघात कर रहे हो। कुछ करो क्योंकि तुम सच में करना चाहते हो। यदि आप इसे केवल लक्ष्य के लिए कर रहे हैं और पथ का आनंद नहीं ले रहे हैं, तो मुझे लगता है कि

आप स्वयं को धोखा दे रहे हैं। जरूरी नहीं कि सबसे तेज़ तरीका सबसे अच्छा हो। मैं कहूँगी कि अगर आपका कोई सपना है, तो उसका पालन करें।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप महिला हैं या भारत से या कहीं से भी हैं। ऐसे बहुत से लोग हैं जो उन मुद्दों पर बहस कर रहे हैं या लड़ रहे हैं जिनका कोई खास महत्व नहीं है। हम सभी को यह समझना चाहिए कि यह इसके लायक नहीं है। जो भी जीवन में करो, उसका भरपूर आनंद लो। मैं हमेशा से ही बहुत दृढ़ निश्चय वाली हूं, मैं आसानी से हतोत्साहित नहीं होती हूं। आपको यात्रा का आनंद लेना चाहिए क्योंकि आप वहां पहुंचें या नहीं, आपको रास्ते में मस्ती करनी चाहिए। जो हर परिस्थितियों में से गुजरते हुए कुछ कर जाता है ऐसे लोगो से सीखे और ऐसा ही जज्बा अपने अन्दर लाने का प्रयास करें ।

मुझे जीवन में अनेक लोगो से प्रेरणा मिली है, मुझे मेरे अध्यापक और महान लेखको की पुस्तकों से प्रेरणा मिली है। मैं भाग्यशाली थी कि पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में मुझे एयरोस्पेस इंजीनियरिंग शाखा मिली। वास्तव में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग मेरा प्रिय विषय था, जिसमें मै जाना चाहती थी। सितारे हमारे किस्मत को पकड़कर नही रखते बल्कि हम उसे बांध कर रखते है।

अपने विचार

कब की मौजूदगी इस बात की याद दिलाती है कि मुगल बादशाह को पराजित कर यहीं दफनाया गया था। उन्होंने कहा, 'हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को यह बताने में सक्षम होना चाहिए कि औरंगजेब यहां आए थे और इसी भूमि पर उन्हें दफनाया गया था।' **-अंबादास दानवे** ,नेता प्रतिपक्ष

लालू के लाडले को लगता है कि उनके माता पिता और भाई ही राजकाज चलाने वाले हैं। अब वो ये मानसिकता छोड़ दें। जनता ने लालू परिवार को नकार दिया है।

-गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री

जेडीयू में वहीं होगा जो नीतीश चाहेंगे। ये पार्टी उन्ही ने खड़ी की है, पार्टी के सर्वमान्य नेता है। दल में किसे आगे करना है, किसे जिम्मेदारी देना है, ये सब नीतीश कुमार ही तय करते हैं।

-विजय चौधरी, संसदीय कार्य मंत्री ,बिहार

पंजाब में सबसे बड़ी समस्या नशे और भ्रष्टाचार की है। जब एक साथ तीन करोड़ पंजाब के लोग नशे और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जंग छेड़ेंगे तो यह न्याय की लड़ाई है। गुरुजी हमें शक्ति दें कि हम लोग बचे हुए दो साल भी इसी तरह सेवा करते रहें।

-अरविंद केजरीवाल, आप प्रमुख

शख्सियत

साइना नेहवाल

खेल की दुनिया में अमिट छाप छोड़ने वाली बैडमिंटन खिलाड़ी

17 मार्च 1990 को भारत के हरियाणा के हिसार में जन्मीं साइना नेहवाल एक प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी हैं जिन्होंने खेल की दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। छोटी उम्र से ही, साइना ने बैडमिंटन में गहरी रुचि और प्रतिभा प्रदर्शित की, जो उनके माता-पिता से प्रेरित थी, जो स्वयं पूर्व राज्य स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ी थे।

बैडमिंटन में उनकी यात्रा तब शुरू हुई जब उन्होंने हैदराबाद के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में कोच नानी प्रसाद के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण शुरू किया। साइना का समर्पण और कड़ी मेहनत जल्द ही सफल हो गई और वह कोर्ट पर असाधारण कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए तेजी से आगे बढ़ी। 2006 में साइना ने महज 16 साल की उम्र में फिलीपींस ओपन जीतकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ी और अपने शानदार करियर की शुरुआत की। उन्होंने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करना जारी रखा, जिसमें 2008 में प्रतिष्ठित जूनियर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप जीतना, खेल में सबसे प्रतिभाशाली प्रतिभाओं में से एक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना शामिल है। साइना की सफलता यहीं से बढ़ी, क्योंकि वह बीजिंग 2008 में ओलंपिक खेलों के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उनकी उत्कृष्टता की निरंतर खोज ने अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर कई जीत हासिल की, जिसमें राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई चैंपियनशिप में कई स्वर्ण पदक शामिल थे।, और अन्य प्रतिष्ठित टूर्नामेंट।

2012 में, साइना ने लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया और बैडमिंटन में ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उनकी उपलब्धियों ने पूरे भारत में लाखों महत्वाकांक्षी एथलीटों को प्रेरित किया और देश में बैडमिंटन की स्थिति को ऊपर उठाने में मदद की। अपने पूरे करियर में, साइना ने चोटों और असफलताओं सहित कई चुनौतियों को लचीलेपन और दृढ़ संकल्प के साथ पार किया है। उनके कभी हार न मानने वाले रवैये और खेल के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें दुनिया भर के प्रशंसकों से प्रशंसा और सम्मान दिलाया है। कोर्ट के बाहर, साइना एक विनम्र और ज़मीन से जुड़ी इंसान हैं, जो अपने परोपकारी प्रयासों और भारत में खेल विकास की वकालत के लिए जानी जाती हैं। भारतीय खेलों में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण और राजीव गांधी खेल रत्न सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

लंगोट बचाने की कीमत

एक महात्मा जी का अंतिम समय आ गया था। शिष्य ने उनसे पूछा गुरुवर आप कोई अंतिम संदेश दीजिए। गुरु ने आंखें खोली और इतना कहा मेरे शिष्य जिंदगी में तुम सब करना पर बिल्ली मत पालना। इतना कहते ही गुरु श्री चरणों में विलीन हो गए। व्याख्या नहीं कर पाए की बिल्ली क्यों नहीं पालना। शिष्य हैरान परेशान पूरे शास्त्र उठा कर देख लिया। कहीं भी बिल्ली मत पालना सूत्र नहीं मिला। सब तरह के शास्त्रों में सारी जिज्ञासाओं का निदान मिला, पर बिल्ली से संबंधित कहानी किसी शास्त्र में वर्णन नहीं मिला। शिष्य भी कहा हार मानने वाला था वह भी तलाशता रहा कि आखिर मेरे गुरु यह क्यों कह गए कि बिल्ली मत पालना।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

तलाशते-तलाशते वह एक बुजुर्ग से मिला। बुजुर्ग से उन्होंने पूछा कि मुझे शास्त्र में सारे सूत्र मिले, पर मेरे गुरु का बिल्ली मत पालना वाला सूत्र किसी शास्त्र में नहीं मिला। बुजुर्ग कहने लगे मुझे तुम्हारे गुरु का कहानी का सूत्र मालूम है। तू सुन और ठीक ही कहा तेरे गुरु ने की कभी बिल्ली मत पालना, क्योंकि बिल्ली पाल कर ही तेरा गुरु बर्बाद हुआ। शिष्य ने कहा बताइए इस सूत्र का राज। उसे

बुजुर्ग ने कहा तेरा गुरु सन्यासी हुआ सब कुछ छोड़कर जंगल गया और सिर्फ दो लंगोट अपने साथ ले गया, लेकिन एक झंझट आ गई। लंगोट धोकर डालता और कुछ समय बाद देखता कि वह लंगोट चूहा काट जाते। अब झंझट आ गई लंगोट दो और वह भी चूहे काट जाएं। उसने गांव में लोगों से पूछा की बड़ी मुसीबत है यह चूहे मेरी लंगोट काट जाते हैं। मैं क्या करूं गांव वालों ने सलाह दी की एक काम करें, बिल्ली पाल लें अब चूहे से लंगोट काटने को बचने के लिए तेरे गुरु ने बिल्ली पाली, लेकिन मामला यहां नहीं रूका। आगे चला आए दिन बिल्ली खड़ी हो जाती कि मुझे दूध दो नहीं तो मैं चली अब क्या करें। बिल्ली जाए तो लंगोट फिर कटने की समस्या होने लगे। गांव वाले भी कहने लगे गुरुजी रोज-रोज हम आपको बिल्ली के लिए कहां तक दूध देंगे। ऐसा करें दूध के लिए गाय पाल लें, सब गाँव वालों ने मिलकर एक गाय दे दी। गाय पाली गई। अब गाय के लिए चारा चाहिए क्या करें। बड़ी समस्या हो गई।

फिर गांव में चर्चा हुई गांव वाले कहने लगे गुरु जी हमें और भी काम है। हम रोज-रोज आपको चारा तो दे नहीं सकेंगे। क्यों नहीं आप आपके आस पास की जो जमीन है उसे पर घास फूस चारा उगाकर गाय के लिए प्रबंध कर ले। पर इस सब झंझट में तेरे गुरु का हरि भजन हो ना सके, क्योंकि सुबह जल्दी उठो दूध लगाओ, बिल्ली को पिलाओ, गाय को नहलाओ, चराने ले जाओ, हरि भजन हो ही नहीं सका, फिर भी बचाना तो लंगोट है गांव वालों ने सलाह दी कि आप एक काम करें गांव में एक विधवा स्त्री है। उसका भी कोई नहीं आप अपने यहां काम पर रख ले, ताकि वह सारा प्रबंध करके खेती-बाड़ी कर कर गेहूं सब्जी उगाकर आपकी सेवा कर सके। गुरु जी को बात जम गई। वह उसे विधवा महिला को अपने यहां पर ले आए। विधवा महिला भली औरत थी -कभी गुरुजी के हाथ पैर भी दबा देती थी। सिर दुखे तो सर दुख दबा देती थी। अब धीरे-धीरे आपस में लगाव हो गया । गांव वालों ने कहा महात्मा जी ऐसे नहीं चलेगा। मर्यादा भंग हो रही है। आप विवाह करें बिना विवाह साथ रहना ठीक नहीं। गांव वालों ने तेरे गुरु का विवाह करवा दिया। विवाह हुआ बच्चे हो गए संसार बढ़ गया। एक लंगोटी को बचाने के पीछे इतना सारा संसार एकत्र कर लिया। इसलिए तेरे गुरु ने कहा कि जिंदगी में सब काम कर लेना पर एक बात का ध्यान रखना कभी बिल्ली मत पालना।

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार)।

भगवान शंकर ने परहित हेतु अपने प्राणों की परवाह न करते हुए विषपान किया

संसार की भी बड़ी विचित्र रीति है। सीस पर अगर मुकुट सजवाना हो, तो हर कोई तैयार है। किंतु अगर उसी सीस को देश व धर्म पर न्योछावर करना हो, तो आटे में नमक जितने ही सीस देखने को मिलेंगे।

समुद्र मंथन में भी जब अमृत की जगह कालकूट विष निकला, तो हर कोई उसे अपनाने से मना करने लगा। न देवता उसे ग्रहण करना चाह रहे थे, और न ही दानव। अन्य बड़े बड़े ईष्ट भी अपनी असमर्थता जता चुके थे। किंतु वहीं, जब भगवान शंकर को निवेदन किया गया, तो उनसे धरातल के समस्त जीवों का दुख देखा न गया। रोते कर्राहते जीवों की रुदनता, उन्हें अथाह कष्ट पहुँचा रही थी। कालकूट विष का दुष्प्रभाव ऐसा था, कि कोई भी उससे अछूता नहीं रह पा रहा था। यूँ भासित हो रहा था, मानों पृथवी कुछ ही क्षणों में समाप्त हो जायेगी। देवता और दानव सब ने दोनों हाथ जोड़ कर करुण प्रार्थना की, कि हे शंभूनाथ! अब तो आप ही एक अंतिम आश्रय बचे हैं। कहीं किसी ने सहायता नहीं की। सबको अपने प्राणों से प्रेम है। हर कोई अपने प्राणों को बचाना चाह रहा है। किंतु यह भी कटु सत्य है, कि कोई भी अपने प्राण बचा नहीं पायेगा। हम तो हर घाट का पानी पीकर थककर आपकी शरण पहुँचे हैं। केवल तो केवल बस आप ही हैं, जो कोई उपाय कर सकते हैं। भगवान शंकर से धराधाम के जीवों

का कष्ट देखा न गया। उन्होंने उसी समय एक महान संकल्प लिया, एवं एक दिव्य घटना को साकार किया। उन्होंने अपने दोनों हाथों से अँजुलि बनाई, और उस विष को अँजुलि के माध्यम से अपने गले में उतारने लगे। वे उस विष को घटाघट पीने लगे। जैसे जैसे विष उनके भीतर उतर रहा था, ठीक वैसे वैसे धराधाम पर से विष का प्रभाव कम होते जा रहा था। जीवों को अब घुटन नहीं हो रही थी। उनका दम नहीं निकल रहा था। वनस्पति भी फिर से श्वाँस लेने लगी थी। प्राणियों को भी मानों प्राण आ गये थे। जो जीव अंतिम यात्र में बस निकलने ही वाले थे, वे पुनः वापिस लौट पड़े। सभी आश्वस्त हो उठे, कि भगवान शंकर ने उस भयंकर कालकूट विष से मुक्ति दिला दी है। सभी प्रसन्न होकर भगवान शंकर की स्तुतियां करने लगे। एक दूसरे के गले लगने लगे। इन सबसे दूर भगवान शंकर उस विष को निरंतर पीये जा रहे हैं। वे एक भी बूँद को धरा पर रहने नहीं देना चाह रहे थे।

इसी बीच कुछ देवता और दानवों ने एक विचित्र दृष्य देखा। वे क्या देख रहे हैं, कि विष भगवान शंकर के श्रीमुख से उनके भीतर तो उतर रहा है। किंतु वह विष केवल गले तक आकर ही अटके जा रहा है। गले के नीचे उस विष का उतरना ही नहीं हो रहा है। जिस कारण भगवान शंकर का कंठ विष के प्रभाव से पूर्णत नीला पड़ गया। किंतु भगवान शंकर बिना उस विषप्रभाव को देखे, उस विष को तब तक पीते रहे, जब तक कि संपूर्ण धराधाम, विष के प्रभाव से रहित नहीं हो गया। उसी समय व क्षण से भगवान शंकर का एक और सुंदर नाम अस्तित्व में आया। और वह था 'नीलकंठ भगवान'। नीलकंठ भगवान ने परहित हेतु अपने प्राणों की परवाह न करते हुए विषपान कर लिया। जिससे सभी देवता दानव किन्नर आदि उनकी स्तुति करने लगे, और सुख को प्राप्त हुए।

सावधान रहें और किडनी स्वास्थ्य की रक्षा करें : डॉ.गीता सेठ

मुंबई के जेजे अस्पताल की विभागाध्यक्ष नेफ्रोलॉजी डॉ. गीता सेठ ने बताया किडनी और स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देने की बात कहते हुए कहा कि आज के भागदौड़ भरे जीवन व खानपान में अनियमितता से किडनी रोगों में भारी इजाफा हो रहा है, ऐसे में हमें सावधान रहते हुए किडनी स्वास्थ्य की रक्षा करनी चाहिए।

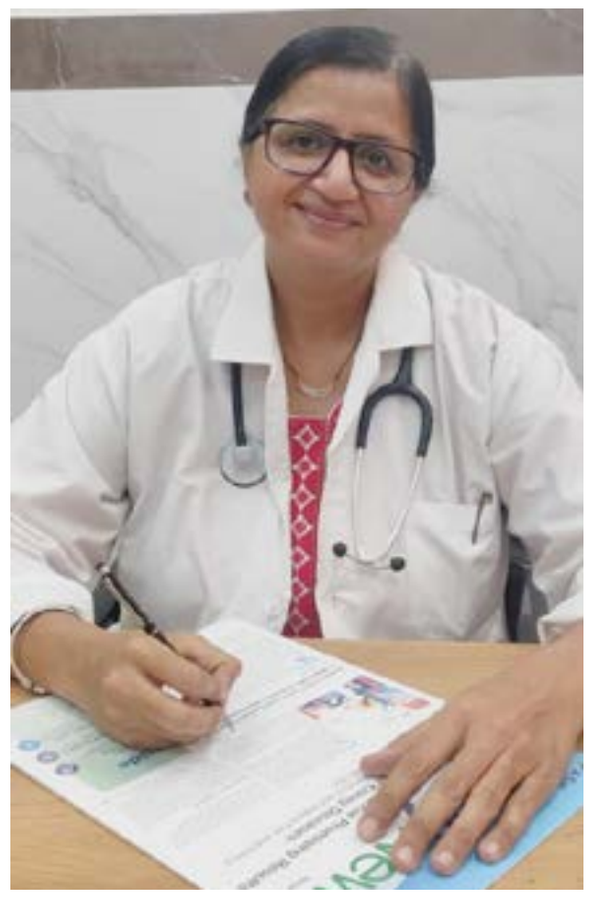

शीघ्र जांच का महत्व

सेठ ने बताया कि गुर्दे की बीमारी को अक्सर ₹साइलेंट किलर₹ कहा जाता है क्योंकि यह तब तक बिना किसी लक्षण के बढ़ता रहता है, जब तक कि यह उन्नत अवस्था में न पहुंच जाए। अध्ययनों से पता चलता है कि दुनिया भर में लाखों लोग क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) से पीड़ित हैं, फिर भी बड़ी संख्या में लोग अपनी स्थिति से अनजान हैं। गुर्दे की बीमारी का शीघ्र पता लगाने से इलाज संभव हो जाता है। सावधानी से किडनी फेल होने सहित किडनी की दूसरी समस्याओं का खतरा काफी कम हो जाता है।

नियमित स्वास्थ्य जांच,

इसके लिए जैसे रक्तचाप की निगरानी करना, मूत्र परीक्षण करना और रक्त परीक्षण (क्रिएटिनिन स्तर और ग्लोमेरुलर निस्पंदन दर) के माध्यम से किडनी के कार्य का आकलन करना, शीघ्र निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, या किडनी की बीमारी के पारिवारिक इतिहास जैसी स्थितियों वाले व्यक्तियों को अपने गुर्दे के स्वास्थ्य के प्रति विशेष रूप से सावधान रहना चाहिए।

किडनी को स्वस्थ बनाए रखने के तरीके

समग्र स्वास्थ्य के लिए अपनी किडनी की देखभाल करना आवश्यक है। उन्हें स्वस्थ रखने के लिए यहां कुछ प्रमुख उपाय दिए गए हैं।

- हाइड्रेटेड रहें: पर्याप्त पानी पीने से किडनी के कार्य में सहायता मिलती है।
- स्वस्थ आहार का पालन करें: ताजे फल और सब्जियों को शामिल करते हुए नमक और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों को सीमित करें।
- रक्त शर्करा और रक्तचाप को प्रबंधित करें: अनियंत्रित मधुमेह और उच्च रक्तचाप समय के साथ किडनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- नियमित व्यायाम में संलग्न रहें: शारीरिक गतिविधि समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है और गुर्दे की बीमारी के खतरे को कम करती है।
- दवाओं का उपयोग समझदारी से करें: कुछ दर्द निवारक दवाओं का अत्यधिक उपयोग गुर्दे की कार्यप्रणाली पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।
- धूम्रपान और अत्यधिक शराब के सेवन से बचें: दोनों आदतें किडनी और हृदय संबंधी जटिलताओं में योगदान करती हैं।

स्वस्थ भविष्य के लिए अभी कार्य करें

गीता सेठ ने कहा कि आइए इस विश्व किडनी दिवस पर किडनी के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का संकल्प लें। सरकारों, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों और समुदायों को जागरूकता बढ़ाने, स्क्रीनिंग कार्यक्रमों को बढ़ाने और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप सुनिश्चित करने के लिए सहयोग करना चाहिए।यदि आपने हाल ही में अपने गुर्दे के स्वास्थ्य का आकलन नहीं किया है, तो अब ऐसा करने का समय आ गया है। जल्दी पता लगने से जान बचाई जा सकती है—आज ही अपनी किडनी की सुरक्षा करें।

इतिहास और संस्कृति का अनमोल खजाना बठिंडा शहर

बठिंडा, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक शहर है, जिसे अपनी धरोहर, ऐतिहासिक स्थल, धार्मिक महत्व और खूबसूरत वास्तुकला के लिए जाना जाता है। यह शहर न केवल पंजाब के इतिहास में अहम स्थान रखता है, बल्कि यहाँ की संस्कृति, परंपराएँ और वातावरण इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाते हैं। बठिंडा का ऐतिहासिक महत्व, वहाँ की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर, और यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य को देखने के लिए पर्यटक दूर-दूर से आते हैं। आइए जानते हैं बठिंडा के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

बठिंडा किला

बठिंडा किला इस शहर का सबसे पुराना और ऐतिहासिक स्थल है। यह किला प्राचीन समय से यहाँ स्थित है और इसकी भव्यता आज भी पर्यटकों को आकर्षित करती है। किले का निर्माण 1,000 साल पहले हुआ था और यह शहर के सबसे प्रसिद्ध और ऐतिहासिक किलों में से एक है। किले के अंदर स्थित मस्जिदें, बगीचे और दीवारें इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती हैं। यहाँ की ऐतिहासिक वास्तुकला और किले की संरचना इस स्थल को देखने लायक बनाती है।

रानी तालाब

रानी तालाब बठिंडा का एक प्रसिद्ध और शांतिपूर्ण स्थान है, जो पर्यटकों को प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के लिए आदर्श है। यह तालाब ऐतिहासिक रूप से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह रानी के समय में शाही परिवार द्वारा उपयोग किया जाता था। आजकल यह स्थान स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए एक पिकनिक स्पॉट के रूप में प्रसिद्ध है। यहाँ की शांत वातावरण और तालाब के पास के बगीचे में समय बिताना एक अद्वितीय अनुभव है।

गुरुद्वारा दरबार साहिब

गुरुद्वारा दरबार साहिब बठिंडा का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जो सिख धर्म के अनुयायियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह गुरुद्वारा गुरु गोविंद सिंह जी से जुड़ा हुआ है और यहाँ श्रद्धालु अपनी आस्था व्यक्त करने के लिए आते हैं। यहाँ के शांति पूर्ण वातावरण और धार्मिक स्थलों का ऐतिहासिक महत्व श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। यह स्थल न केवल सिख धर्म के अनुयायियों के लिए पवित्र है, बल्कि सभी धर्मों के लोग यहाँ आकर शांति का अनुभव करते हैं।

झील और बगीचे

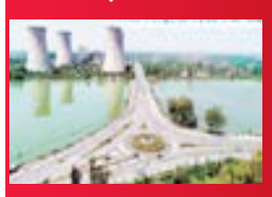

बठिंडा में स्थित किले की झील और बगीचे भी पर्यटकों के आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र हैं। यहाँ की हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों को एक शांतिपूर्ण अनुभव प्रदान करते हैं। इन स्थानों पर घूमते हुए पर्यटक पंजाब की प्रकृति और शांति का अनुभव कर सकते हैं। बठिंडा में स्थित बाग-बगिचों की खूबसूरती भी इस शहर को एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाती है।

पुराने बर्तनों का दान करना शुभ या अशुभ, जानिए क्या कहता है ज्योतिष शास्त्र

हिंदू धर्म में पुराने बर्तनों का विशेष महत्व होता है। बर्तन का संबंध सिर्फ रसोई घर से ही नहीं बल्कि इनका धार्मिक और ज्योतिष दृष्टि से भी गहरा संबंध है। अक्सर पुराने बर्तन पीढ़ियों से चले आते हैं। वहीं कुछ बर्तनों को देवी-देवताओं से जोड़कर भी देखा जाता है। हिंदू धर्म में बर्तनों की स्थिति को शुभ और अशुभ माना जाता है। जहां टूटे बर्तनों को अशुभ माना जाता है और इनको बदलने की सलाह दी जाती है। ऐसे में बहुत लोग पुराने बर्तनों का दान करना चाहते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या पुराने बर्तनों का दान करना शुभ माना जाता है।

पुराने बर्तनों का दान करना शुभ या अशुभ

बता दें कि घर के पुराने बर्तनों का दान करना शुभ माना जाता है। यह कार्य करने से न सिर्फ घर को नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त करता है और यह आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव भी आता है। दरअसल, पुराने बर्तन नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं और घर में अशांति का कारण भी बन सकते हैं। ऐसे में इन बर्तनों का दान करने से न सिर्फ घर की सफाई होती है, बल्कि यह पुण्य कमाने का भी अच्छा उपाय है। पुराने बर्तनों का दान करने से जातक के घर के सदस्य मानसिक शांति और समृद्धि का अनुभव करते हैं। हालांकि इन बर्तनों को दान करने का समय और तिथि भी महत्वपूर्ण होते हैं।

किस दिन करें इन बर्तनों का दान

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक शुभ दिनों में पुराने बर्तनों का दान करना चाहिए। जिससे कि आपको अधिक लाभ प्राप्त हो सके। विशेष रूप से मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को इन बर्तनों का दान करना उत्तम माना जाता है। शनिवार के दिन पुराने बर्तनों का दान करने से शनिदोष दूर होता है और घर में सुख-समृद्धि आती है। मंगल दोष का निवारण के लिए मंगलवार को बर्तन का दान करना चाहिए। वहीं गुरुवार को पुराने बर्तन दान करने से जीवन में खुशहाली आती है और गुरु ग्रह की कृपा प्राप्त होती है। इन तीन दिनों में बर्तनों का दान करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और जातक के जीवन में शांति बनी रहती है।

मृदुभाषिता से स्वीकार्यता

एक राजा का पुत्र अत्यंत क्रोधी तथा अनाचारी था। राजा चिंतित रहते थे कि उनकी मृत्यु के बाद जब यह राजकुमार राजा बनेगा तो इसके गलत स्वभाव के कारण प्रजा पर क्या बीतेगी? राजा ने भगवान बुद्ध से अपनी इस चिंता की चर्चा की। बुद्ध बोले, 'राजन, तुम चिंता न करो, मैं राजकुमार को समझाऊंगा।' बुद्ध एक दिन राजकुमार के पास पहुंचे। बगिया में घूमते-घूमते उन्होंने नीम के पौधे की ओर संकेत करके कहा, 'वत्स! इसका पत्ता चखकर बताओ, स्वाद कैसा है?' राजकुमार ने नीम का पत्ता जैसे ही चबाया कि मुंह कड़वा हो गया। उसने क्रोध में आकर उस पौधे को उखाड़ा और पैरों से रौंद डाला। बुद्ध ने पूछा, 'राजकुमार तुमने पौधे को क्यों रौंद डाला?' उसने जवाब दिया, 'यह अभी इतना कड़वा है तो आगे चलकर विष-वृक्ष ही बन जाएगा। ऐसे पौधे को जड़ से कुचल देना ही ठीक है।' भगवान बुद्ध ने समझाते हुए कहा, 'राजकुमार! तुम्हारे कटु व्यवहार तथा उद्दंडता से पीड़ित नागरिकों ने भी तुम्हारे प्रति ऐसा ही व्यवहार किया तो क्या होगा। यदि तुम आगे चलकर लोकप्रिय बनना चाहते हो तो मृदुभाषी तथा दयावान बनो।' भगवान बुद्ध के वचनों ने राजकुमार की आंखें खोल दीं।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी। नौकरी में पदोन्नाति के योग हैं।

वृष पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी। आपके कार्यों को समाज में प्रशंसा मिलेगी।

मिथुन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। पत्नी के बतलाए रास्ते पर चलने से लाभ की संभावना बनती है। यात्रा से लाभ। वाहन-मशीनरी खरीदी के योग हैं।

कर्क भ्रम की स्थिति बन सकती है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

सिंह धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। सामाजिक समारोहों में भाग लेंगे।

कन्या जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। मितव्ययिता को ध्यान में रखें। कुटुंबियों से संबंध सुधरेंगे। शत्रुओं से सावधान रहें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

तुला नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है। यात्रा आज नहीं करें। परिवार के कार्यों को प्राथमिकता दें।

वृश्चिक भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। सुखद भविष्य का स्वप्न साकार होगा। विचारों से सकारात्मकता बढ़ेगी।

धनु रोजगार में वृद्धि होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। राजनीतिक व्यक्तियों से लाभकारी योग बनेंगे। मनोबल बढ़ने से तनाव कम होगा।

मकर पिता को पुराना रोग उभर सकता है। कारोबार में प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी। रिश्तेदारों से संपत्ति संबंधी विवाद हो सकता है।

कुंभ पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन फालतू खर्च होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाएगा। परिवार की चिंता रहेगी। आय से व्यय अधिक होंगे।

शादी होने के बाद ही भाग्योदय किनका होगा

आज बात करते है शादी के बाद ही भाग्योदय किनका होगा और क्या शादी कर लेने के बाद ही भाग्योदय हो पायेगा, नौकरी अच्छी लग पाएगी, व्यापार अच्छा शुरू हो पायेगा आदि क्योंकि हम में से कुछ लोगो का भाग्य शादी से जुड़ा होता है ऐसी स्थिति में जितनी जल्दी शादी हो जाएगी उतना जल्दी भाग्योदय होगा साथ ही कब तक हो जाएगी शादी आदि ।

अब समझते है शादी बाद भाग्योदय किनका होगा

कुंडली का 9वा भाव भाग्य और भाग्योदय का है तो 7वा भाव शादी का है अब 9वे भाव और 9वे भाव स्वामी(भाग्य और भाग्य स्वामी) बलवान होकर, कोई राजयोग बनाकर, धन योग आदि अन्य शुभ स्थिति में शुभ बलवान 7वे भाव स्वामी(विवाह स्वामी ग्रह) से सबन्ध बनाकर कुंडली मे शुभ स्थिति में बैठा है तब शादी कर लेने के बाद ही भाग्योदय होगा क्योंकि यहाँ भाग्य भाव का सम्बब्ध राजयोग बनाकर शादी वाले भाव से बन गया है या बन रहा है तो जीवनसाथी की प्राप्ति के बाद, शादी हो जाने के बाद ही भाग्योदय हो पायेगा क्योंकि ऐसी स्थिति में भाग्य शादी से जुड़ जाता है।अब आगे, 7वे भाव स्वामी और 9वे भाव स्वामी का

प्रियंका जैन
9769994439

जितना ज्यादा से ज्यादा शुभ स्थिति में ,जितने ज्यादा से ज्यादा शुभ भाव मे कुंडली के सम्बन्ध बनेगा या बन रहा है उतना ही शानदार और अच्छा भाग्योदय, अच्छी नौकरी/अच्छा बिजनेस, अच्छी सफ़लता,अच्छी धन स्थिति, अच्छी लक्ज़री लाइफ आदि सम्बन्धी भाग्योदय होगा।अब कुछ उदाहरणो से समझते है शादी कर लेने या शादी हो जाने के बाद ही भाग्योदय किनका होगा, किनकी अच्छी नौकरी,व्यापार मिलेगा, सफलता ,धन-वैभव, आदि मिलकर भाग्योदय होगा और कौन करे जल्दी शादी और कब तक शादी होकर भाग्योदय हो जाएगा आदि।

उदाहरण_अनुसार_मेष_लग्न1:-

मेष लग्न में भाग्य स्वामी(9वे भाव स्वामी) गुरु बलवान होकर 7वे भाव स्वामी(विवाह भाव स्वामी)शुक्र से सम्बब्ध बनाकर बैठे है तब शादी होने से ही भाग्योदय होगा अब यहाँ 9वे भाव मे या 9वे भाव स्वामी गुरु से अन्य ग्रह जैसे मंगल चन्द्र सूर्य सम्बब्ध ज्यादा से ज्यादा शुभ स्थिति में बना रहे है तब बहुत बड़े स्तर पर भाग्योदय होगा शादी कर लेने के बाद, मकान, वाहन, धन, अच्छी कैरियर सफलता आदि के सम्बध में।।

उदाहरण_अनुसार_धनु_लग्न2:-

धनु लग्न में 9वे भाव भाग्य स्वामी सूर्य बलवान होकर भाग्य स्वामी 7वे भाव स्वामी बुध से शुभ स्थिति में सम्बब्ध बनाकर बैठे है और बुध अस्त नही है तब शादी बाद भाग्योदय होगा, यहाँ भाग्य स्वामी सूर्य ज्यादा से ज्यादा शुभ भाव मे माना 5वे भाव मे है बुध सहित और यहाँ अन्य ग्रह भी शुभ स्थिति में सूर्य से या 9वे भाव से सम्बब्ध कर रहे है तब बहुत बड़े स्तर पर अच्छा भाग्योदय शादी कर लेने के बाद ही होगा, जितनी जल्दी शादी की जाएगी उतना जल्दी भाग्योदय कैरियर, धन, मकान वाहन, सफलता आदि को लेकर होगा।।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

उत्तर भारत / बिजनेस

दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई

उन्नाव। उन्नाव में दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बाइक सवार युवक कहीं जा रहा था। इसी दौरान वह चलते ट्रक की चपेट में आ गया और वह ट्रक के पिछले पहिए में फंस गया। पहिए में फंसने के बाद करीब 200 मीटर तक वह घसीटता रहा। इस दौरान राह चलते लोगों ने ट्रक ड्राइवर को रोका, लेकिन तब तक युवक की दर्दनाक तरीके से मौत हो गई थी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। लखनऊ कानपुर हाईवे पर दही थाना क्षेत्र के वर्कशॉप मोड़ के पास एक युवक बाइक से जा रहा था। तभी उसकी बाइक ट्रक के चपेट में आ गई और युवक चलते ट्रक में फंस गया। इस दौरान राह चलते लोगों ने चिल्लाकर ट्रक ड्राइवर को रोका, लेकिन तब तक करीब 200 मीटर घसीटता रहा था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक के पहिए में फंसे युवक को बाहर निकालकर जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मामले की जानकारी देते हुए दही थाना प्रभारी संजीव कुशवाहा ने बताया कि युवक बाइक पर पीछे बैठा था और उसका एक साथी बाइक को चला रहा था। जैसे ही यह लोग वर्कशॉप मोड़ के पास पहुंचे तभी बाइक ट्रक से टकरा गई। बाइक पर पीछे बैठा युवक ट्रक के पिछले पहिए में फंस गया और गाड़ी चला रहा व्यक्ति बाइक सहित छिटक कर दूर जा गिरा। जिसके कारण उसको हल्की चोट लगी है। थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रक ड्राइवर को पता ही नहीं था कि उसके पिछले पहिए में कुछ फंसा है। जब राह चलते लोगों ने ट्रक ड्राइवर को रोका तब तक युवक घसीटता रहा था। थाना प्रभारी संजीव कुशवाहा ने बताया कि हादसे में युवक की मौत हो गई है। मृतक युवक की पहचान पुरवा इलाके के रहने वाले प्रेम कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में ले लिया है। साथ ही आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की कहना है कि उन्होंने मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है।

गुंडों की भीड़ को पुलिस और प्रशासन का संरक्षण: ओवैसी

उन्नाव। होली के दिन उन्नाव के रहने वाले शरीफ की मौत हो गई। जिससे बवाल मचा हुआ है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि शरीफ की हत्या की गई है। परिजनों के मुताबिक शरीफ को कुछ लोग जबरन होली का रंग लगाने के लिए आए थे इस दौरान उसने बचने की कोशिश की। जि स के बाद उसके साथ मारपीट की गई जिससे उसकी मौत हो गई। इस बीच AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बयान सामने आया है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए ओवैसी ने कहा ' उन्नाव के शरीफ को कल पीट-पीट कर मार दिया गया, उनका जुर्म? उन्होंने उन पर जबरन रंग लगाने पर ऐतराज किया। मेरी दुआएं उनके घर वालों के साथ हैं, वो सिर्फ इस नुकसान का ग़म ही नहीं मना रहे हैं, बल्कि पुलिस के झूठ से भी जूझ रहे हैं'। AIMIM प्रमुख ने आगे कहा कि पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि पुलिस इस मामले को ये कहकर बंद करना चाहती है कि ये एक दिल का दौरा था, हत्या नहीं थी। उन्होंने कहा कि ये घटना इसलिए नहीं हुई क्योंकि होली और जुमा एक ही दिन थे, बल्कि ये सब इसलिए हुआ क्योंकि हर गुंडों की भीड़ को यह समझ आ चुका है कि उन्हें पुलिस और प्रशासन का संरक्षण है। दरअसल उन्नाव में कासिम नगर मोहल्ले में शनिवार को होली के दिन 55 साल के शरीफ की मौत हो गई थी। परिजन इसे हत्या बता रहे हैं जबकि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में मौत की वजह हार्टअटैक आई है। पुलिस का कहना है कि शव पर चोट के निशान नहीं मिले। वहीं परिवार का कहना है कि होली का रंग नहीं डलवाने को लेकर शरीफ के साथ मारपीट की गई, जिससे उसकी मौत हो गई।

यूपी भाजपा में खत्म हुआ इंतजार, गोरखपुर-नोएडा समेत कई जिलाध्यक्षों का ऐलान

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव से पहले पार्टी संगठन में जिलास्तर पर भारी बदलाव कर दिया है। बीजेपी ने गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, गोरखपुर, आगरा, मथुरा, इटावा, अमेठी और आजमगढ़ समेत कई जिलों और महानगरों के अध्यक्षों का ऐलान कर दिया है। बीजेपी प्रदेश संगठन में 98 जिले हैं।रविवार को करीब 60 जिला और महानगर अध्यक्ष घोषित किए गए हैं। प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को शुभकामनाएं दी हैं। हालांकि यूपी के 26 जिलों के अध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष की चुनाव की प्रक्रिया रोक दी गई है। ज्यादा नामांकन और उम्मीदवारों की संख्या को देखते हुए 26 जिलों के जिलाध्यक्ष या तो महानगर अध्यक्ष के नामों का ऐलान नहीं किया गया है। अब प्रदेश अध्यक्ष के चयन के बाद इन जिलों में अध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष के नामों का ऐलान किया जाएगा।

बहराइच और गोंडा जिले के प्रमुख का भी ऐलान

ललितपुर का नया जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत को बनाया गया। जबकि रामपुर से हरीश गंगवार पार्टी के जिलाध्यक्ष बने। इसी तरह मुरादाबाद से आकाश पाल पार्टी के जिलाध्यक्ष बने। ब्रजेश पांडेय को दूसरी बार बहराइच का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। गोंडा जिले में अमर किशोर कश्यप "बमबम" जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। फर्रुखाबाद में फतेह चंद्र वर्मा नए जिलाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। ओम प्रकाश राय को गाजीपुर का जिलाध्यक्ष बनाया गया तो सुधांशु शुक्ला को अमेठी का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्नाव से अनुराग अवस्थी जिला अध्यक्ष बनाए गए हैं। आजमगढ़ से ध्रुव सिंह जिलाध्यक्ष नियुक्त किए गए तो लालगंज से विनोद राजभर जिलाध्यक्ष नियुक्त हुए हैं। जबकि हरदोई में बीजेपी के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन घोषित किए गए हैं।बीजेपी की ओर से सुल्तानपुर से सुशील त्रिपाठी जिलाध्यक्ष बने हैं। औरैया से सर्वेश कटेरिया को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। कन्नौज से वीर सिंह भदौरिया फिर से जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। विवेकानंद मिश्रा बस्ती जिले के फिर से जिलाध्यक्ष बने हैं। महराजगंज में एक बार फिर से अशोक पाण्डेय उर्फ संजय पाण्डेय को जिलाध्यक्ष घोषित किया गया है। जबकि श्रावस्ती जिले के नए जिलाध्यक्ष मिश्रीलाल वर्मा बनाए गए है। मेरठ में विवेक रस्तोगी पार्टी के नए महानगर अध्यक्ष घोषित किए गए। सोनभद्र में नन्दलाल गुप्ता फिर से जिलाध्यक्ष बने हैं। महेंद्र कोटार्य चित्रकूट के जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं।

26 जिलों के नए अध्यक्षों का इंतजार बढ़ा

पार्टी सूत्रों का कहना है कि नेताओं की गुटबाजी और सिफारिश वाले नामों से बचने के लिए बीजेपी ने इन 26 जिलों के अध्यक्षों के नामों का ऐलान फिलहाल नहीं करने का फैसला किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बधाई देते हुए कहा कि पार्टी के सभी नवनियुक्त जिला एवं महानगर अध्यक्ष गण को हार्दिक बधाई, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए 50 जिलों में अध्यक्षों का निर्वाचन होना जरूरी होता है। नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन का रास्ता साफ हो जाएगा। बीजेपी ने गौतमबुद्ध नगर के पार्टी अध्यक्षों का ऐलान कर दिया है। नोएडा के महेश चौहान को महानगर अध्यक्ष और ग्रेटर नोएडा से अभिषेक शर्मा को जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

गोरखपुर-गाजियाबाद की कमान किसके हाथ

गाजियाबाद से चैनपाल सिंह गुर्जर को जिलाध्यक्ष बनाया गया है तो मयंक गोयल जिला महानगर अध्यक्ष बने हैं। मेरठ में विवेक रस्तोगी को मेरठ महानगर अध्यक्ष बनाया गया है। गोरखपुर में जनार्दन तिवारी को जिलाध्यक्ष बनाया गया है तो देवेश श्रीवास्तव को महानगर अध्यक्ष बनाया गया है। हरदोई में बीजेपी के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन को बनाया गया है। अजीत सिंह दुबारा जिलाध्यक्ष बने हैं। यहां पर 17 लोगों ने जिलाध्यक्ष पद के लिए आवेदन किया था। चुनाव अधिकारी नरेश वालिया ने पर्यवेक्षक एमएलसी सुभाष यदुवंश की मौजूदगी में जिलाध्यक्ष का ऐलान किया। इस दौरान उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी समेत सांसद और विधायक भी मौजूद रहे। मैनपुरी से ममता राजपूत जिला अध्यक्ष बनीं। तो इटावा में अरुण कुमार गुप्ता नए जिलाध्यक्ष बनाए गए। इसी तरह बुलंदशहर के जिला अध्यक्ष विकास चौहान बने। निर्भय पांडे मथुरा में जिलाध्यक्ष बने तो महानगर अध्यक्ष राजू यादव को बनाया गया। बीजेपी के वरिष्ठ नेता अन्नू गुप्ता को इटावा का जिलाध्यक्ष घोषित किया गया है।

हम मुर्दों से नहीं लड़ते कब्र हटाना तालिबान का काम: आचार्य प्रमोद कृष्णम

मुरादाबाद। भारतीय राजनीति में इन दिनों औरंगजेब को लेकर जबरदस्त विवाद चल रहा है। इस पर तमाम पार्टियों के नेताओं की टिप्पणियां सामने आ रही हैं। अब इस पूरे प्रकरण पर आचार्य प्रमोद कृष्णम का भी बयान सामने आया है, जिसमें वह कह रहे हैं कि भारत मुर्दों से नहीं लड़ाई करता है। भारत का शौर्य और बहादुरी के किस्से इतिहास के पन्नों में दर्ज है। आचार्य प्रमोद ने वक्फ बोर्ड प्रकरण को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। अभी कुछ ही दिनों पहले रिलीज हुई छावा मूवी के बाद से ही औरंगजेब को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इस फिल्म में औरंगजेब को बेहद ही क्रूर शासक दिखाया गया है। वहीं, सपा विधायक अबू आजमी ने औरंगजेब को महान शासक बताया था। इसके बाद इस पूरे मामले में तीखी बहस शुरू हो गई थी। अब इस पूरे मामले में औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग तेज हो गई है। औरंगजेब की कब्र को लेकर चल रहा है विवाद पर यूपी के मुरादाबाद से आचार्य प्रमोद कृष्णम का भी बयान सामने आया है।

'भारत मुर्दों से लड़ाई नहीं करता'

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि भारत मुर्दों से लड़ाई नहीं करता है। भारत के शौर्य और भारत की बहादुरी इतिहास के पन्नों में दर्ज है, हमारे जितने भी राष्ट्रीय हीरो रहे हैं। इन्होंने कभी भी सनातन के सिद्धांत को नहीं छोड़ा। किसी की कब्र को हटाना यह तो तालिबान का काम है। सनातन धर्म इसकी अनुमति नहीं देता है। दुश्मन के मर जाने के बाद भी हम उसका सम्मान करते हैं। आगे वक्फ बोर्ड के प्रकरण को लेकर प्रमोद कृष्णम कहते हैं कि भारत कभी भी ISIS की धमकी में नहीं आया।

आतंकवादियों का काम है धमकी देना- आचार्य

भारत कभी भी आतंकवादियों से नहीं डरता है, भारत कभी भी तालिबानियों से नहीं डरता, भारत कभी भी किसी की धमकी में नहीं आएगा। आगे आचार्य कहते हैं कि धमकी देना आतंकवादियों का काम होता है। भारत किसी से नहीं डरता है।

मां और बेटे की संदिग्ध परिस्थिति में जलकर मौत, ससुरालवालों पर हत्या का आरोप

झांसी। झांसी में रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 20 साल की महिला और उसके एक साल के बेटे की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने इसे संदिग्ध मानते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है और महिला के पति, सास और ससुर को हिरासत में लिया गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक एसपी (ग्रामीण) गोपीनाथ सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतका की पहचान पूजा के रूप में हुई है, जो कौशल कुशवाहा की पत्नी थी। शुरुआती जांच में परिवार ने दावा किया है कि पूजा खाना बनाते समय अचानक खुद पर और अपने बेटे पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली।घटना के समय घर के अन्य सदस्य खेतों में काम कर रहे थे। पड़ोसियों ने जब घर से आग की लपटें उठती देखीं तो उन्होंने तत्काल परिवार और पुलिस को सूचना दी। जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक मां और बेटे दोनों की जलकर मौत हो चुकी थी। पूजा की शादी चार साल पहले कौशल कुशवाहा से हुई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने उसके पति, सास और ससुर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और हर पहलू को ध्यान में रखकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा खुलासा

मां और बेटे के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस इस मामले को आत्महत्या और घरेलू हिंसा दोनों नजरिए से देख रही है।

होली के दिन एक लाख से अधिक कॉलें यूपी 112 पर आयी

लखनऊ। होली के दिन उत्तर प्रदेश में एक लाख से अधिक लोगों ने कंट्रोल रूम 112 पर फोन कर मदद मांगी। 84,127 स्थानों पर लोगों को पुलिस सहायता पहुंचायी है। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस साल 142 प्रतिशत अधिक रहा है। यूपी 112 के तकनीकी उन्नयन एवं सभी कर्मचारियों के समर्पण भाव से यह असाधारण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। देश में आपात सहायता का एक अकल्पनीय प्रतिमान स्थापित हुआ है। यह तथ्य इस बात का द्योतक है कि आमजन का पुलिस कार्रवाई पर भरोसा दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। आम दिनों की बात करें तो यूपी 112 पर प्रतिदिन औसतन 34 हजार इवेंट्स दर्ज किए जाते हैं, जबकि होली के दिन यह संख्या बढ़कर 84,127 हो गई।

दर्जनों छात्राओं से दुष्कर्म, प्रोफेसर के खिलाफ केस दर्ज

हाथरस। हाथरस स्थित पीसी बागला डिग्री कॉलेज में भूगोल विभाग के विभाग अध्यक्ष और चीफ प्रॉक्टर रजनीश पर शिक्षा के इस मंदिर को कलंकित करने का आरोप है। इस कालेज में पढ़ने वाली दर्जनों छात्राओं ने चीफ प्रॉक्टर पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। इस संबंध में छात्राओं ने राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत दी थी। इसके बाद हरकत में आई हाथरस गेट थाना पुलिस ने आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ जांच की और सभी आरोप सही पाए जाने पर उनके खिलाफ रेप, झांसा देने, ब्लैकमेल करने समेत कई अन्य अपराध की धाराओं में केस दर्ज किया है। इधर, मुकदमा दर्ज होने की सूचना मिलते ही आरोपी चीफ प्रॉक्टर रजनीश घर और कॉलेज से फरार हो गया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी प्रोफेसर रजनीश करीब 20 साल से इस तरह की हरकतों को अंजाम दे रहा था। इस संबंध में पहले भी कई छात्राओं ने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब कुछ दिन पहले कुछ छात्राओं ने शिकायत लिखकर सीधे राष्ट्रीय महिला आयोग को भेज दी। अपनी शिकायत में छात्राओं ने कुछ तस्वीरें भी अटैच की थीं।

वीडियो बनाकर करता था ब्लैकमेल

इस शिकायत के बाद महिला आयोग ने मामले की गंभीरता को समझा और हाथरस पुलिस से रिपोर्ट तलब की थी। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने मामले की जांच की तो पता चला कि आरोपी प्रोफेसर रजनीश का यह काला खेल करीब 20 साल से चल रहा था। आरोपी छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में पास कराने और सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर दुष्कर्म करता था। इस दौरान आरोपी वीडियो बनाकर छात्राओं को ब्लैकमेल भी करता था। मामले की जांच सीओ और एएसपी रैंक के अधिकारियों ने की। इसमें आरोपों की पुष्टि होने के बाद मुकदमा दर्ज किया गया है।

एएसपी की रिपोर्ट पर दर्ज हुआ मुकदमा

पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ सामने आई तस्वीरों में दिख रही लड़कियों से संपर्क किया गया, उनके बयान लिए गए। इसमें आरोपों की पुष्टि हुई है।आरोप है कि डीएसपी ने मामले की जांच शुरू की तो कॉलेज प्रशासन ने भी सहयोग नहीं किया। ऐसे में एसपी हाथरस ने मामला चार दिन पहले अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह को दी और फिर उनकी रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के मुताबिक आरोपी की तलाश में दबिश तेज कर दी गई है।

व्यापार जगत

चालू सत्र में अब तक चीनी उत्पादन में 16 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। भारत का चीनी उत्पादन चालू सत्र 2024-25 में अब तक 16.13 प्रतिशत घटकर 2.37 करोड़ टन रह गया है, जिससे उच्च प्रारंभिक अनुमानों के आधार पर तैयार की गई सरकारी नीतियों के लिए चुनौतियां पैदा हो गई हैं। सहकारी संस्था एनएफसीएसएफ ने रविवार को यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ (एनएफसीएसएफ) ने चीनी उत्पादन आंकड़ों में 'अस्पष्टता' पर चिंता व्यक्त की है, क्योंकि 2024-25 गन्ना पेराई सत्र (अक्टूबर-सितंबर) शुरू में अनुमानित उत्पादन से काफी कम उत्पादन के साथ समाप्त होने वाला है।

उद्योग निकाय ने बयान में कहा कि सत्र शुरू होने के बाद से चीनी उत्पादन अनुमानों को बार-बार संशोधित कर नीचे लाया गया है, जिससे सरकारी नीतियों के लिए चुनौतियां पैदा हो रही हैं, जो 3.33 करोड़ टन के प्रारंभिक अनुमान के आधार पर तैयार की गई थीं।

एनएफसीएसएफ ने कहा, "उद्योग के एक वर्ग ने केंद्र सरकार को 3.33 करोड़ टन चीनी उत्पादन का अनुमान पेश किया। उसके आधार पर केंद्र सरकार ने अपनी नीतियां बनानी शुरू कर दीं।'

केंद्र सरकार ने प्रारंभिक उत्पादन अनुमान के आधार पर जनवरी, 2025 में 10 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी थी, लेकिन अब वास्तविक उत्पादन के आंकड़े कम होने के कारण आपूर्ति-मांग में असंतुलन का सामना करना पड़ रहा है।एनएफसीएसएफ के आंकड़ों के अनुसार, भारत के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन चालू सत्र में 15 मार्च तक घटकर 78.16 लाख टन रह गया, जबकि एक साल पहले यह एक करोड़ टन था। देश के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में उत्पादन 88.15 लाख टन से घटकर 80.19 लाख टन रह गया, जबकि इसी अवधि में कर्नाटक का उत्पादन 49.15 लाख टन से घटकर 39.11 लाख टन रह गया।

एनएफसीएसएफ के अध्यक्ष हर्षवर्धन पाटिल ने कहा कि अधिकांश राज्यों में पेराई सत्र मार्च के अंत तक समाप्त हो जाएगा, जबकि उत्तर प्रदेश की मिलें अप्रैल के मध्य तक चलेंगी। पाटिल ने पेराई अवधि, विशेष रूप से महाराष्ट्र में कम होने पर चिंता जताई, जहां पेराई सत्र केवल 83 दिनों तक चला जबकि आर्थिक रूप से व्यवहार्य अवधि 140-150

जम्मू-कश्मीर में 200 से अधिक निवेशकों को कारोबार करने के लिए भूमि आवंटित की गई

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के बाहर के 200 से अधिक निवेशकों को जम्मू-कश्मीर में अपनी व्यावसायिक इकाइयां स्थापित करने के लिए पिछले एक दशक में औद्योगिक एस्टेट में भूमि प्रदान की गई है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। अगस्त, 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद बाहरी निवेशकों द्वारा भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में कई गुना वृद्धि हुई है। बाहरी निवेशकों में से ज्यादातर दिल्ली, हरियाणा और पंजाब से हैं। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अधिकांश निवेशकों ने जम्मू क्षेत्र के कठुआ और सांबा जिलों को अपनी फर्म स्थापित करने के लिए प्राथमिकता दी, जबकि घाटी में बहुत कम व्यवसायी रुचि दिखा रहे हैं। औद्योगिक नीति 2016-26 के तहत देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 28 व्यवसायियों को सांबा और कठुआ जिलों में अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए 500 कनाल से अधिक भूमि आवंटित की गई थी। निवेश प्रस्ताव के आधार पर भूमि का आवंटन अलग-अलग होता है। हालांकि, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद संशोधित औद्योगिक नीति 2021-30 की शुरुआत के बाद दिल्ली, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, पंजाब, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु के व्यवसायी भी निवेश के लिए इस क्षेत्र पर नजर गड़ाए हुए हैं।

दिल्ली के लगभग 50 व्यवसायियों को जम्मू-कश्मीर में भूमि आवंटित की गई है, इसके बाद हरियाणा (45), पंजाब (43), उत्तर प्रदेश (14), महाराष्ट्र (नौ) और गुजरात, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश से सात-सात व्यवसायियों को भूमि आवंटित की गई है।

पेप्सिको का नया प्लान, टाटा-पतंजलि को ऐसे मिलेगी टक्कर

नई दिल्ली। पेप्सिको के भारत और दक्षिण एशिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जागृत कोटेचा ने कहा कि कंपनी पैकेट बंद खानपान खंड में अपनी भूमिका बढ़ाएगी और अलग-अलग स्वाद वाले विभिन्न भारतीयों की जरूरतों को पूरा करेगी। कंपनी देश में दहाई अंक की वृद्धि को कायम रखने के लिए नवाचार और प्रीमियम खंड पर दांव लगा रही है। पेप्सिको भारत में अपने स्नैक्स (नाश्ता) कारोबार का विस्तार करेगी, क्योंकि अन्य देशों की तुलना में यहां खपत बहुत कम है और बढ़ते शहरीकरण तथा बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ जेब में अधिक पैसा आने के कारण कोटेचा को उम्मीद है कि पैकेट बंद खाद्य पदार्थों की खपत बढ़ेगी।

अलग-अलग जगह अलग-अलग डिमांड

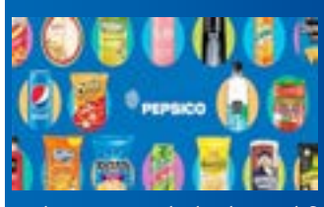

उन्होंने कहा कि कुरकुरे और लेज़ बनाने वाली कंपनी पेप्सिको ने विभिन्न भारतीयों की क्षेत्रीय पसंद के अनुरूप भारत को आंतरिक रूप से नौ समूहों में विभाजित किया है। पेप्सिको के सीईओ ने कहा, यदि आप कहते हैं कि यह केवल एक भारत है, तो मुझे लगता है कि हम इसके साथ पर्याप्त न्याय नहीं कर रहे हैं। कोटेचा ने कहा, आपको भारत के उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए अपना पोर्टफोलियो को डिजायन करना होगा। इसलिए उपभोक्ता-केंद्रित होना और उस पर काम करना और उस पर गहराई से विचार करना ज़रूरी है।

साउथ इंडिया में जल्द एक्सपेंड करेंगी कंपनी

उन्होंने कहा कि कंपनी उपभोक्ताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए काफी मात्रा में निवेश कर रही है, क्योंकि भारत में भोजन, पाककला, पेय और पेय पदार्थों की समृद्ध विरासत है। पेप्सिको के पास फिलहाल उत्तर प्रदेश के मथुरा, पंजाब के चन्नो, पुणे के रंजनगांव और पश्चिम बंगाल के कोलकाता के पास संकरैल में विनिर्माण संयंत्र हैं। इसके अलावा, इसका अगला संयंत्र असम में बन रहा है, जो इसी साल परिचालन में आ जाएगा। इसके अलावा, पेप्सिको ने दो और नए संयंत्र लगाने की योजना बनाई है, जिसमें दक्षिण में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भी एक संयंत्र शामिल है। इसके राजस्व में खाद्य क्षेत्र का योगदान लगभग 80 प्रतिशत है, जिसमें यह लेज़, कुरकुरे, डोरिटोस और क्वेकर जैसे ब्रांड के माध्यम से परिचालन करती है।

मार्च में भी बिकवाल की भूमिका में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, 9 कारोबारी दिन में 30,015 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोली निवेशकों (एफपीआई) ने पैसा निकालने का सिलसिला लगातार जारी कर रखा है। मार्च के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने शेयर बाजार से 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निकासी कर ली है। इस तरह मार्च के महीने में भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शुद्ध बिकवाल (सेलर) की भूमिका में ही बने हुए नजर आ रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट से जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी। फरवरी में एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार से 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की। इस तरह इस साल अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक स्टॉक मार्केट से 1.42 लाख करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक इस महीने 3 मार्च से 13 मार्च के दौरान 9 कारोबारी दिनों में एफपीआई ने स्टॉक मार्केट से शुद्ध रूप से 30,015 करोड़ रुपये निकाले हैं। यह लगातार 14वां सप्ताह है, जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक शुद्ध बिकवाल की भूमिका में बने हुए हैं। जहां तक इंडियन बॉन्ड मार्केट की बात है, तो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने मार्च के महीने में अभी तक जनरल लिमिट के तहत बॉन्ड में 7,355 करोड़ रुपये का निवेश किया है। वॉलंटरी रिटेंशन रूट से 325 करोड़ रुपये की निकासी भी की है। 2024 में आखिरी 2 महीने के दौरान हुई जोरदार बिकवाली के कारण एफपीआई का भारतीय बाजार में निवेश काफी कम होकर महज 427 करोड़ रुपये का रहा था। 2023 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार में 1.71 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया था। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार बनने के बाद अमेरिकी ट्रेड पॉलिसी को लेकर जो अनिश्चितता का माहौल बना है, उसकी वजह से वैश्विक स्तर पर निवेशकों की रिस्क कैपेसिटी काफी प्रभावित हुई है। यही कारण है कि ज्यादातर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों को लेकर सतर्क दृष्टिकोण अपना रहे हैं। इसी वजह से भारतीय बाजार में लगातार बिक्री करके वे अपना पैसा सुरक्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। श्रीकांत चौहान का यह भी कहना है कि एफपीआई द्वारा भारतीय शेयर बाजार से की जा रही निकासी की एक बड़ी वजह अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में आई तेजी और डॉलर की मजबूती भी है। इसकी वजह से अमेरिकी असेट्स पहले की तुलना में अधिक आकर्षक हो गए हैं, जिसके कारण एफपीआई भारतीय बाजार से अपना पैसा निकाल कर अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में निवेश बढ़ा रहे हैं।

मुंबई इंडियंस ने जीता डब्ल्यूपीएल 2025 का खिताब

दिल्ली कैपिटल्स को 8 रन से हराया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को 08 रनों से हराकर दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मैच में दर्शकों को कांटे की टक्कर देखने को मिली, लेकिन अंत में मुंबई की टीम ने बाजी मार ली।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शुरुआती झटकों के बाद हरमनप्रीत कौर और नेट साइवर ब्रंट की जोड़ी ने टीम को मुश्किल से उबारा। हरमनप्रीत ने 66 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि साइवर ब्रंट ने 30 रन बनाए। इस साझेदारी की बदौलत मुंबई की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 149 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही। 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत भी खराब रही। हालांकि, मैरिजेन कैप (40 रन) और जेमिमा रोड्रिग्ज (30 रन) ने दिल्ली की पारी को संभालने की कोशिश की। मैच के अंतिम ओवरों में दिल्ली के बल्लेबाजों ने जीत के लिए संघर्ष जारी रखा, लेकिन मुंबई की सधी हुई गेंदबाजी के चलते लक्ष्य से 8 रन पीछे रह गई।

दिल्ली कैपिटल्स की हैट्रिक हार

यह लगातार तीसरा मौका था जब दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल के फाइनल में पहुंचकर ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही। 2023 में मुंबई इंडियंस, 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और अब 2025 में फिर से मुंबई इंडियंस ने दिल्ली का सपना तोड़ दिया। मुंबई इंडियंस अब डब्ल्यूपीएल की पहली टीम बन गई है जिसने दो बार खिताब जीता है। इससे पहले, उन्होंने 2023 में पहला सीजन जीता था, जब उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हराया था। इस बार भी उन्होंने दिल्ली को 8 रनों से हराकर अपनी बादशाहत कायम रखी।

कोहली की नाराजगी

एजेंसी । बेंगलुरु

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने BCCI के नए ट्रेवल पॉलिसी नियमों पर खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने खिलाड़ियों के परिवार को विदेशी दौरों के दौरान सीमित समय के लिए ही साथ रखने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि परिवार का साथ होना प्रदर्शन सुधारने में मदद करता है।

क्या है BCCI का नया नियम?

BCCI ने विदेशी दौरों के दौरान खिलाड़ियों के परिवार की मौजूदगी को सीमित कर दिया है। अब किसी भी खिलाड़ी का परिवार केवल दो हफ्ते के लिए ही उसके साथ रह सकता है। यह फैसला भारतीय टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के बाद लिया गया, जिससे कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों को बड़ा झटका लगा है। कोहली की इस नाराजगी से साफ है कि खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके व्यक्तिगत जीवन को लेकर BCCI के नियमों पर नए सिरे से बहस शुरू हो सकती है।

कोहली ने क्या कहा?

विराट कोहली ने कहा, 'जब खिलाड़ी मैदान पर मुश्किल हालातों का सामना कर रहे होते हैं, तब परिवार के पास लौटना बेहद जरूरी होता है। लेकिन लोगों को यह समझाना मुश्किल है। परिवार का खेल से कोई लेना-देना नहीं होता, बल्कि उनके रहने से मनोबल बढ़ता है।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर किसी भी खिलाड़ी से पूछा जाए कि क्या वह चाहता है कि उसका परिवार उसके साथ रहे, तो जवाब हमेशा 'हां' होगा। मैं अपने कमरे में अकेले बैठकर उदास नहीं रहना चाहता। मैं सामान्य जीवन जीना चाहता हूं और तब आप अपने खेल को और बेहतर तरीके से देख सकते हैं।'

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद भी नहीं सुधरी पाकिस्तान टीम की हालत

पहले ही मैच में मिली हार

एजेंसी । नई दिल्ली

पाकिस्तान की टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से शुरुआत के कुछ ही दिन बाद बाहर हो गई थी। इस टूर्नामेंट को बाद में भारत ने जीता। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी ने टीम में कुछ बदलाव किए। यहां तक कि टी20 फॉर्मेट से बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को बाहर कर दिया गया। कप्तानी की जिम्मेदारी भी सलमान अली आगा को सौंप दी गई, लेकिन नतीजा फिर भी नहीं बदला। पाकिस्तान टीम की हालत अभी भी वैसी ही है, जैसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में थी। पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहले ही मैच में हार मिली है।

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का पहला मुकाबला क्राइस्टचर्च में खेला गया। इस मुकाबले में पाकिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 रन भी नहीं बना पाई, जबकि न्यूजीलैंड ने 11वें ओवर में ही 92 रनों के लक्ष्य को एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। पाकिस्तान की टीम टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के अपने तीसरे सबसे कम स्कोर पर ऑलआउट हुई थी। पाकिस्तान की टीम ने अपने सभी विकेट खोकर 91 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने महज 1 विकेट खोकर 10.1 ओवर में इस लक्ष्य को हासिल किया।

काइल जैमीसन की घातक गेंदबाजी, न्यूजीलैंड की दमदार जीत

न्यूजीलैंड के काइल जैमीसन ने बहुत खतरनाक गेंदबाजी की। इस लंबे कद के गेंदबाज ने 4 ओवर में एक ओवर मेडेन फेंका, सिर्फ 8 रन खर्च किए और टॉप ऑर्डर के तीन बल्लेबाजों को आउट किया। इस परफॉर्मेंस के लिए उनको प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हालांकि, जैकब डफी ने भी 4 विकेट निकाले, लेकिन उन्होंने पुछल्ले बल्लेबाजों को आउट किया। बल्लेबाजी में कीवी टीम के लिए टिम साइफर्ड ने 29 गेंदों में 44 रनों की पारी खेली, जबकि फिन एलेन ने 17 गेंदों में 29 रन बनाए। एक विकेट पाकिस्तान के लिए अबरार अहमद को मिला। इस मैच में पाकिस्तान के तीन खिलाड़ियों ने डेब्यू किया था।

सचिन ने बनाया था शतकों का महारिकॉर्ड, तोड़ पाना है मुश्किल

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट में विश्व के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। उन्होंने अपने क्रिकेट करियर में अनेक रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। उनके कई रिकॉर्ड ऐसे हैं, जिन्हें अब तक कोई नहीं तोड़ सका है। उन्हीं में से एक रिकॉर्ड ऐसा है, जिसे शायद ही कोई बल्लेबाज तोड़ पाए। हम बात कर रहे हैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सौ शतकों के रिकॉर्ड की। महान बल्लेबाज ने यह उपलब्धि 16 मार्च साल 2012 में हासिल की थी। उनके इस रिकॉर्ड को 13 साल हो गए हैं और उनका यह महा रिकॉर्ड अभी भी कायम है। बांग्लादेश के खिलाफ हासिल की थी उपलब्धि मास्टर ब्लास्टर के नाम से मशहूर सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक पूरे करने की यह उपलब्धि बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप के मैच के दौरान हासिल की थी।

कोहली कर रहे पीछा

सचिन विश्व के एकमात्र बल्लेबाज हैं जिनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर में टेस्ट में 51 और वनडे में 49 शतक लगाए हैं। सचिन के बाद मौजूदा भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। कोहली अब तक अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 82 शतक लगा चुके हैं, लेकिन अभी भी वह सचिन से काफी पीछे हैं। हालांकि, विराट वनडे में शतक लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ चुके हैं। कोहली वनडे में 51 शतक लगा चुके हैं, जबकि सचिन के वनडे में 49 शतक हैं, लेकिन ओवरऑल कोहली अभी सचिन से बहुत पीछे हैं। कोहली के वनडे में 51, टेस्ट में 30 और टी20 में एक शतक है। कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय से रिटायरमेंट ले चुके हैं। वनडे और टेस्ट फार्मेट में खेल रहे हैं।

बीसीसीआई ने किया याद

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सचिन की इस उपलब्धि को याद किया। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, शतकों का शतक! इस दिन 2012 में महान सचिन ने अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया था। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे एकमात्र क्रिकेटर हैं।

विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेल

भारत ने 33 पदक के साथ अभियान खत्म किया

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत ने अंतिम दिन चार स्पर्धाओं में 12 पदक जीतकर इटली के तूरिन में चल रहे विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में अपना अभियान कुल 33 पदकों के साथ खत्म किया। भारत ने आठ स्वर्ण, 18 रजत और सात कांस्य पदक जीते। स्नोशूइंग में भारत ने पहले जीते गए छह पदक में चार और पदक जोड़े। वासु तिवारी, शालिनी चौहान और तान्या ने 25 मीटर स्नोशूइंग स्पर्धा में रजत पदक जीता जबकि जहांगीर ने इसी वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। अल्पाइन स्कीइंग वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया जिसमें राधा देवी और निर्मला देवी ने इंटरमीडिएट स्लालोम (क्रमशः एफ01 और एफ04) में रजत पदक जीते जबकि अभिषेक कुमार ने नोविस स्लालोम (एम02) में एक और रजत पदक हासिल किया। आकृति ने क्रॉस कंट्री स्कीइंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर क्लासिकल टेक्नीक (एफ02 वर्ग) में कांस्य पदक जीता। फ्लोरबॉल स्पर्धा में भारतीय महिला टीम ने कांस्य पदक जीता। भारत ने स्नोशूइंग और अल्पाइन स्कीइंग में 10-10 पदक जीते जबकि स्नोबोर्डिंग में छह पदक हासिल किए। शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग, क्रॉस कंट्री स्कीइंग और फ्लोरबॉल ने देश को क्रमशः चार, दो और एक पदक दिलाया।

फिल्म की कास्ट और डायरेक्शन

इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में वरुण और जान्हवी के अलावा सान्या मल्होत्रा, मनीष पॉल और रोहित सराफ भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन शशांक खैतान ने किया है, जो 'हम्टी शर्मा की दुल्हनिया' और 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' जैसी हिट फिल्में बना चुके हैं। इसे अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता और करण जौहर ने प्रोड्यूस किया है।

दूसरी बार साथ आएंगे वरुण-जान्हवी

वरुण और जान्हवी इससे पहले फिल्म 'बवाल' (2023) में साथ नजर आए थे, जिसे अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था। दर्शकों को दोनों की जोड़ी खूब पसंद आई थी, और अब यह जोड़ी फिर से 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमार' में दर्शकों को एंटरटेन करने वाली है।

वरुण-जान्हवी की 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमार' पोस्टपोन

वरुण धवन और जान्हवी कपूर की आगामी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमार' की रिलीज डेट बदल दी गई है। पहले यह फिल्म 18 अप्रैल 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे 12 सितंबर 2025 तक पोस्टपोन कर दिया गया है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की है।

वरुण और जान्हवी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

वरुण धवन : 'भेड़िया 2', 'बॉर्डर 2', जान्हवी कपूर : 'आरसी 16' (राम चरण के साथ), 'परम सुंदरी'

अब देखना होगा कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितना धमाल मचाती है!

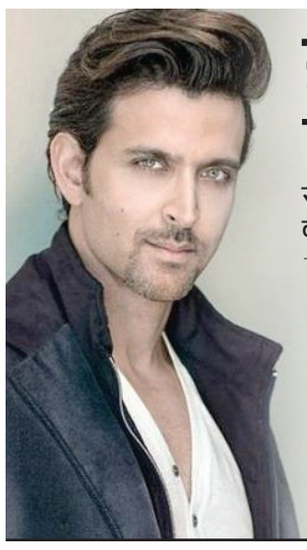

ऋतिक की WAR 2 से पंगा नहीं लेना चाहते रजनीकांत

रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म War 2 का लंबे वक्त से इंतजार हो रहा है। YRF स्पाई यूनिवर्स के इस प्रोजेक्ट में इस बार साउथ स्टार Jr। NTR भी नजर आने वाले हैं। 15 अगस्त के मौके पर वॉर 2 को रिलीज किया जाएगा। मेकर्स और फिल्म की टीम इस पर लगातार काम कर रही है। बीते दिनों खबर आई थी सुपरस्टार रजनीकांत की पैन इंडिया फिल्म कुली भी उसी हफ्ते रिलीज होगी, जिस हफ्ते वॉर 2 सिनेमाघरों में दस्तक देगी। लेकिन फिल्म कुली के मेकर्स वॉर 2 से भिड़ने के हक में नहीं हैं।

ताजा रिपोर्ट की मानें तो लोकेश कनगराज के डायरेक्शन में बनी रही फिल्म के मेकर्स वॉर 2 से टकराव से बचने के लिए कुली की रिलीज़ डेट आगे बढ़ाने की प्लानिंग कर रहे हैं। एक तरफ अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी रही वॉर 2, आदित्य चोपड़ा की ब्लॉकबस्टर वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। इस फ्रैंचाइज़ में पहले से ही वॉर, टाइगर ट्रायोलॉजी, पठान और आने वाली फ़िल्में जैसे वॉर 2, पठान 2, पठान बनाम टाइगर और अल्फा शामिल हैं। 200 करोड़ के बजट में बन रही वॉर 2 में दमदार एक्शन देखने को मिलेगा। इस फिल्म की हर छोटी-बड़ी चीज पर खास ध्यान दिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर फिल्म कुली में रजनीकांत लीड रोल में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को पैन-इंडिया रिलीज किया जाएगा। आंध्रबॉक्सऑफिस डॉट कॉम के अनुसार, वॉर 2 और कुली के बीच का क्लैस टालने की कोशिश की जा रही है।

'द डिप्लोमैट' की बॉक्स ऑफिस पर धीमी रफ्तार

जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' 14 मार्च को होली के दिन सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह ज्यादा प्रभावित नहीं कर पाई है। पहले दिन ठीक-ठाक ओपनिंग के बाद, दूसरे दिन भी फिल्म की कमाई में कोई खास बदलाव नहीं आया। हालांकि, इसमें मामूली बढ़ोतरी देखी गई है। अब देखते हैं कि दूसरे दिन फिल्म का प्रदर्शन कैसा रहा।

फिल्म की कमाई

इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 4 करोड़ रुपये के साथ अपनी शुरुआत की थी और दूसरे दिन फिल्म की कमाई में हल्का सा सुधार देखने को मिला। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ने दूसरे दिन 4.5 करोड़ रुपये कमाए, जिसके साथ 'द डिप्लोमैट' ने दो दिनों में भारत में कुल 8.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। हालांकि, यह उम्मीद जताई जा रही थी कि पहले शनिवार को फिल्म की कमाई में बड़ा इजाफा होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

फिल्म की कहानी

'द डिप्लोमैट' एक भारतीय राजनयिक (डिप्लोमैट) की कहानी है, जो पाकिस्तान में फंसी एक भारतीय लड़की को बचाने के मिशन पर जाता है। इस लड़की को शादी के लिए मजबूर किया जाता है और फिर धोखा दिया जाता है। फिल्म का निर्देशन शिवम नायर ने किया है, जिसमें जॉन अब्राहम (डिप्लोमैट जेपी सिंह), सादिया खतीब, कुमुद मिश्रा और शारिब हाशमी जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

क्या 'छावा' के आगे टिक पाएगी 'द डिप्लोमैट'?

फिल्म का बजट लगभग 20 करोड़ रुपये बताया जा रहा है, लेकिन कमजोर कमाई इसकी आगे की राह मुश्किल बना सकती है। हालांकि, रविवार को फिल्म की कमाई में उछाल आने की उम्मीद है। 'द डिप्लोमैट' का सीधा मुकाबला विक्की कौशल की 'छावा' से हो रहा है, जो अभी भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या 'द डिप्लोमैट' 'छावा' के बीच अपनी जगह बना पाएगी या जल्दी ही सिनेमाघरों से बाहर हो जाएगी।

दो दिनों में कमाए 8.5 करोड़ रुपये

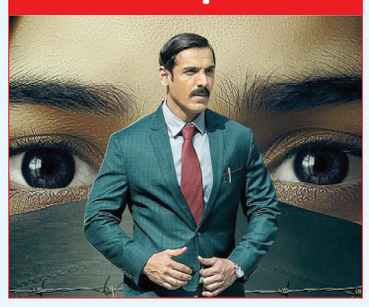

न्यूज़ ब्रीफ

दिल्ली मेट्रो में अब यात्री सफर के साथ माल ढुलाई भी होगी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में अब यात्री सफर के साथ माल ढुलाई भी होगी। यह व्यवस्था गैर व्यस्त समय में होगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने इस सुविधा को शुरू करने के लिए लॉजिस्टिक सेवा प्रदान करने वाली कंपनी ब्लू डार्ट के साथ करार किया है। अधिकारियों ने बताया कि माल ढुलाई के लिए सभी कॉरिडोर की मेट्रो में एक कोच आरक्षित किया जा सकेगा। ताकि मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो। मेट्रो में यह सेवा कब से शुरू होगी, इसकी घोषणा अभी नहीं की गई है। इस व्यवस्था का मकसद यात्री किराए के अलावा माल ढुलाई से दिल्ली मेट्रो की आय में बढ़ोतरी करना है। साथ ही डीएमआरसी का कहना है कि इस पहल से सड़क पर मालवाहक वाहनों का दबाव कम होगा। इसलिए दिल्ली मेट्रो की यह पहल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण कम करने में भी अहम साबित हो सकती है। दरअसल, नॉन पीक आवर्स में मेट्रो में भीड़ कम होती है। इसलिए कंपनी से करार के बाद डीएमआरसी ने नॉन पीक आवर्स में मेट्रो में माल परिवहन का विकल्प तलाशना शुरू कर दिया है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, इलाके में आक्रोश

हाथरस। हाथरस जिले के सादाबाद थाना क्षेत्र के बिसावर कस्बे में 7 साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद से इलाके में तनाव व्याप्त हो गया है। पुलिस ने बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया है और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना को लेकर हिंदूवादी संगठनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, 7 साल की मासूम बच्ची अपनी छोटी बहन के साथ शनिवार शाम करीब 7 बजे बाजार से घर लौट रही थी। इसी दौरान आरोपी ने बच्ची को अगवा कर लिया और सुनसान स्थान पर ले गया। बच्ची की छोटी बहन ने इस घटना की सूचना तत्काल परिजनों को दी। परिजन और ग्रामीण तुरंत हरकत में आए और बच्ची की तलाश शुरू कर दी। काफी देर की खोजबीन के बाद बच्ची एक सुनसान स्थान पर गंभीर हालत में मिली।

ब्लाइंड मर्डर के आरोप में पति-पत्नी गिरफ्तार

रायगढ़। लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम बनेकेला में रविवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय फागुलाल राठिया के रूप में हुई। सूचना के आधार पर पुलिस ने रोहित कोरवा को हिरासत में लिया और सख्ती से पूछताछ की, जिसमें उसने अपनी पत्नी पंचमी कोरवा के साथ मिलकर फागुलाल की हत्या करने की बात कबूल कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के निर्देशन और एडिशनल एसपी आकाश मरकाम व एसडीओपी सिद्धांत तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश जांगड़े के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने खुलासा करते हुए बताया कि घटनास्थल पर मृतक की साइकिल और कुछ दूरी पर टूटी हुई कांच की चूड़ियां बरामद हुईं।

कांग्रेस ने उड़ाया बोडो समझौते का मजाक : शाह

गृह मंत्री अमित शाह 57वें वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुए

एजेंसी । कोकराझार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस समय नॉर्थ-ईस्ट के दौरे पर हैं। रविवार को वो असम के कोकराझार में ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन (ABSU) के 57वें वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बोडो समझौते पर हस्ताक्षर करने पर हमारा मजाक उड़ाया, लेकिन इस समझौते से बोडोलैंड में शांति और विकास आया।अपने संबोधन में शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने 35 लाख की आबादी वाले बोडोलैंड के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए दिए हैं। बोडो युवाओं से उन्होंने कहा कि 2036 के।ओलंपिक की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, जिसका आयोजन अहमदाबाद में होना प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि बोडो समझौते के 82 प्रतिशत खंड लागू किए जा चुके हैं और अगले दो वर्षों में 100 प्रतिशत लागू कर दिए जाएंगे।

सरकार क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए 100 प्रतिशत शर्तों को करेगी लागू

केंद्रीय गृह मंत्री ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए समझौते की 100 प्रतिशत शर्तों को लागू करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की शुरुआती शंकाओं के बाद भी असम सरकार और केंद्र ने समझौते की करीब 82 प्रतिशत शर्तों को लागू किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन बोडोलैंड में स्थापित शांति का संदेश है। शाह ने कहा 'मुझे अभी भी याद है कि 27 जनवरी 2020 को जब बीटीआर (बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र) शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, तो कांग्रेस पार्टी मेरा मजाक उड़ाती थी कि बोडोलैंड में कभी शांति नहीं होगी।

'केंद्र ने समझौते की करीब 82 प्रतिशत शर्तों को लागू किया'

शाह ने कहा कि लेकिन आज असम सरकार और केंद्र ने इस समझौते की लगभग 82 प्रतिशत शर्तों को लागू किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अगले 2 सालों में समझौते की 100 प्रतिशत शर्तों को लागू करेगी। इसके बाद बीटीआर क्षेत्र में लंबे समय तक शांति बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि समझौते के प्रावधानों के तहत 1 अप्रैल, 2022 को पूरे बोडोलैंड क्षेत्र से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा अधिनियम) को हटा दिया गया है।

असम सरकार और बोडो समुदाय के बीच बोडो समझौता

असम सरकार और बोडो समुदाय के बीच जनवरी 2020 में बोडो समझौता हुआ था। उस समझौते का मकसद आंतरिक संघर्ष पर विराम लगाना था। बोडो जनजाति के लोग दशकों से ब्रह्मपुत्र नदी के तट के ऊपरी क्षेत्र को एक अलग बोडोलैंड राज्य बनाने की मांग कर रहे थे। बोडो समुदाय का मानना था कि अन्य समुदायों की मौजूदगी से इस समुदाय की पहचान और संस्कृति को खतरा है। बोडो समुदाय और इसके कई संगठनों ने कई बार अपनी बात को मनवाने के लिए हिंसा का रास्ता भी अपनाया।

मृत्यु कुंभ कहने पर ममता पर बरसे सीएम योगी आदित्यनाथ

एजेंसी । लखनऊ

महाकुंभ 2025 खत्म हो चुका है, लेकिन अभी भी इसका जिक्र सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से लगातार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहे जाने पर निशाना साधा और कहा, 'जो लोग होली के दौरान उपद्रव को नियंत्रित करने में नाकाम रहे, उन्होंने प्रयागराज के महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहा था।' मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में आयोजित गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 'महाकुंभ में पहली बार तमिलनाडु से लोग आए थे। केरल से भी लोग यहां आए थे। उत्तर प्रदेश की आबादी करीब 25 करोड़ है और होली शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई, लेकिन पश्चिम बंगाल में होली के दौरान कई जगह उपद्रव हुए। जो लोग होली के दौरान उपद्रव को कंट्रोल करने में नाकाम साबित हुए हैं, उन्होंने प्रयागराज के महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहा था।'

होली के दिन युवक की हो गई थी हत्या

होली के दिन पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में होली के जश्न के दौरान हुई मारपीट में 20 साल के एक युवक की मौत हो गई। टीटागढ़ में अपने घर के पास दोस्तों के साथ होली खेल रहे आकाश चौधरी उर्फ अमर को तीन-चार लड़कों ने घेर लिया। स्थानीय अधिकारी ने बताया कि बहस शुरू होने पर हमलावरों ने उनकी गर्दन और शरीर के कई हिस्सों पर बार-बार चाकू से हमला किए। सीएम योगी ने ममता बनर्जी पर उनके राज्य में ऐसी घटनाओं को लेकर कटाक्ष किया।

सीएम ममता बनर्जी ने क्या कहा था

महाकुंभ के संगम नोज पर 29 जनवरी की रात हुई भगदड़ के कुछ दिनों बाद, जहां आधिकारिक तौर पर 30 लोगों की मौत की बात कही गई थी, सीएम ममता ने पिछले महीने 18 फरवरी को कहा था कि भगदड़ की घटनाओं की वजह से महाकुंभ मृत्यु कुंभ में बदल गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि महाकुंभ में मौतों के वास्तविक आंकड़े को अधिकारियों ने दबा दिया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में अपने भाषण के दौरान सीएम ममता ने कहा था, उन्होंने मौतों के आंकड़े को कम करने के लिए सैकड़ों शवों को छिपा दिया।

'राजनीति में आने के लिए निशांत कुमार तैयार', JDU ने पटना में लगाया पोस्टर

एजेंसी । पटना

होली के बाद बिहार की सियासत में सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार (Nishant Kumar) की एंट्री होने की चर्चा तेज है। पार्टी नेताओं का मानना है कि निशांत राजनीति में आएंगे और जदयू को आगे बढ़ाएंगे। अब होली के खत्म होते ही रविवार को जेडीयू की ओर से बड़े-बड़े पोस्टर पटना में लगाए गए हैं, जिसमें लिखा है, 'बिहार की मांग सुन लिए निशांत'। दरअसल यह पोस्टर निशांत कुमार के राजनीति में एंट्री को लेकर है। पोस्टर में लिखा गया है कि 'बिहार की मांग सुन लिए निशांत बहुत-बहुत धन्यवाद'। एक नहीं दो नहीं बल्कि दर्जनों पोस्टर पार्टी कार्यालय के बाहर लगाए गए हैं। बता दें कि बीते दिन होली के मौके पर एक अन्ने मार्ग सीएम आवास में निशांत ने जेडीयू के बड़े-बड़े नेताओं से मुलाकात की थी। यह पहला मौका था जब होली के दिन निशान कुमार खुलकर राजनीति के लोगों से मुलाकात कर रहे थे और अब यह पोस्टर लगभग उन कयासों पर

पार्टी वरिष्ठ नेता ने भी किया था दावा

वहीं पूर्व उद्योग मंत्री और जेडीयू के वरिष्ठ नेता जय कुमार सिंह ने भी शनिवार को बातचीत में कहा था कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत की जेडीयू में एंट्री हो गई है। वो जेडीयू के रंग में रंग गए हैं। उसने मेरा पैर छूकर अभिवादन किया। उनके आने से जेडीयू शीर्ष पर पहुंचेगी। इसके लिए उसने मुझे धन्यवाद भी दिया। जय कुमार सिंह ने ये भी कहा था कि निशांत पार्टी में शामिल हो गए हैं। औपचारिकताएं बाद में पूरी की जाएंगी। हम चाहते हैं कि वो चुनाव लड़े। उन्होंने निशांत को योग्य और सक्षम बताया और कहा कि वो सीएम मैटेरियल है।

मोटरसाइकिलों की भिड़ंत एक की मौत, एक घायल

फिरोजाबाद। थाना शिकोहाबाद क्षेत्र अन्तर्गत रविवार को दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई। हादसे में मृतक का दोस्त घायल हो गया। थाना प्रभारी शिकोहाबाद ने बताया कि थाना रसूलपुर क्षेत्र के आसफाबाद शांति नगर निवासी धर्मेंद्र (24) अपने दोस्त रंजीत के साथ मोटरसाइकिल से बहन के घर जा रहा था। जैसे ही मोटरसाइकिल आटेपुर के पास पहुंची तभी दूसरी मोटरसाइकिल से भिड़ंत हो गई। हादसे में धर्मेंद्र की मौत हो गई, जबकि रंजीत गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

'कांग्रेस ने हमेशा किया संविधान का अपमान',: मोहन यादव

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक में कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार ने कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता (KTPP) अधिनियम संशोधन को मंजूरी दे दी है। इसके तहत मुस्लिम ठेकेदारों को टेंडर में चार प्रतिशत रिजर्वेशन मिल सकता है। इसको लेकर अब बीजेपी कांग्रेस सरकार पर हमलावर है। हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सिद्धारमैया सरकार को घेरते हुए कहा है, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा शासकीय कार्यों में ठेकेदारों को धर्म आधारित आरक्षण की व्यवस्था का प्रावधान करना अनुचित एवं निंदनीय है।

'कांग्रेस ने किया जातिगत पक्षपात'

वहीं, सीएम मोहन यादव ने आगे कहा, 'दलित, पिछड़े और समाज के वंचित लोगों के उत्थान के लिए बीजेपी की सरकार निरन्तर काम कर रही है, जिससे सभी वर्गों को समाज में पूर्ण सम्मान और अधिकार मिल सके। इतिहास साक्षी है कि कांग्रेस ने हमेशा संविधान के मूल्यों का सम्मान करने की बजाय जातिगत पक्षपात और समाज के विभिन्न वर्गों में भेदभाव की भावना पैदा करने में मुख्य योगदान दिया है।'

'कांग्रेस की भारत तोड़ो राजनीति'

इतना ही नहीं, मोहन यादव ने कहा, 'कांग्रेसी भारत जोड़ो नहीं, भारत तोड़ो की विचारधारा पर काम कर रहे हैं और कर्नाटक सरकार का यह फैसला इसी अपशिष्ट राजनीति का उदाहरण है। इस तरह के धर्म आधारित फैसलों के विरुद्ध पूर्व में भी कई बार माननीय न्यायालयों द्वारा निर्णय दिए गए हैं और इस बार भी कांग्रेस सरकार का यह फैसला न्यायालय में नहीं टिक पाएगा।'

शादी के बाद 2 लाख 44 हजार रुपये की ठगी

एजेंसी । जलगांव

जलगांव में एक युवक को एजेंट के जरिये शादी करना काफी महंगा पड़ गया। युवक के साथ शादी के बाद 2 लाख 44 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। जलगांव के रामेश्वर कॉलोनी इलाके में शादी के तीसरे दिन ही दुल्हन गहने और पैसे लेकर रात में ही गायब हो गई। जब पत्नी वापस नहीं लौटी और घर से पैसे और जेवर के नहीं होने की जानकारी हुई तब जाकर पता चला कि दूल्हन ठगी करके फरार हो हुई है। दुल्हन के फरार होने के बाद दूल्हे ने एजेंट और दुल्हन सहित चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

जेवरात और पैसे लेकर फरार दुल्हन

इस मामले में दूल्हे ने चार लोगों के खिलाफ एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में 13 मार्च को एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में दुल्हन, एजेंट और दो अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दुल्हन 84 हजार रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गई। जब युवक को पता चला कि उसकी पत्नी वापस नहीं लौटी है और उसके पैसे और गहने भी गायब हैं।

रिश्तेदार ने यूके भेजने के नाम पर लगाया 21 लाख रुपये का चूना

एजेंसी । गांधीनगर

गांधीनगर जिले में एक 42 साल के व्यक्ति को उसके ही रिश्तेदार ने यूनाइटेड किंगडम (यूके) भेजने का झांसा देकर 20.46 लाख रुपये की ठगी का शिकार बना लिया। पुलिस ने पंकज पटेल की शिकायत के आधार पर उनके रिश्तेदार हसमुख पटेल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पंकज पटेल जो ऑटोमोबाइल व्यवसाय के मालिक हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि हसमुख पटेल ने उन्हें और उनकी पत्नी को 32 लाख रुपये में लंदन भेजने का आश्वासन दिया और जुलाई 2022 से जनवरी 2024 के बीच उनसे यह राशि जमा करवाई।

शिकायत के अनुसार, पंकज पटेल ने सबसे पहले 6.50 लाख रुपये ब्रिटिश पाउंड्स में हसमुख पटेल को ट्रांसफर किए और तीन दिन बाद 3.15 लाख रुपये नकद दिए। इसके साथ ही, उन्होंने अपने और अपनी पत्नी के पासपोर्ट और वीजा प्रोसेसिंग के लिए अन्य मूल दस्तावेज भी सौंपे। एफआईआर के अनुसार, हसमुख पटेल ने पंकज को आश्वासन दिया कि उन्होंने प्रक्रिया शुरू कर दी है और खुद लंदन की यात्रा पर चले गए।

हसमुख पटेल ने किए थे झूठे वादे

हसमुख पटेल ने झूठे वादे जारी रखते हुए पंकज से और अधिक राशि की मांग की। जब वह वापस लौटे, तो उन्होंने कुछ फर्जी दस्तावेज दिखाकर पंकज से 7.5 लाख रुपये और ले लिए और फिर से इमरजेंसी का बहाना बनाकर लंदन चले गए, इस बार सभी संपर्क काट दिए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी हसमुख पटेल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उत्तराखंड के वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने दिया इस्तीफा

'पहाड़ी' वाले बयान पर मचा था बवाल

एजेंसी । देहरादून

उत्तराखंड के वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रेमचंद अग्रवाल ऋषिकेश से बीजेपी के विधायक हैं। अग्रवाल धामी सरकार में संसदीय, शहरी विकास और वित्त मंत्री के पद पर थे। उत्तराखंड मंत्रिमंडल से प्रेमचंद अग्रवाल को हटाए जाने का मामला काफी दिनों से जोर पकड़ रहा था। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी ने भी विधानसभा में राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों के खिलाफ मंत्री के हालिया बयान को 'दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण' बताया था। बलूनी ने कहा था, 'पूरा मामला बहुत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। मैं पार्टी का मुख्य प्रवक्ता हूं और मुझे मर्यादा बनाये रखनी है, लेकिन मैंने उचित मंचों पर इस मामले को मजबूती से उठाकर अपना कर्तव्य निभाया है।' पिछले महीने के अंत में सदन के बजट सत्र के दौरान अग्रवाल की टिप्पणी से लोगों, विशेषकर राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों के लोग, आक्रोशित हो उठे थे। इस टिप्पणी के कारण विरोध प्रदर्शन भी हुए और उनके पुतले भी जलाए गए थे। बजट सत्र के दौरान अग्रवाल ने

कांग्रेस विधायक मदन बिष्ट द्वारा उन पर की गई टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्होंने उत्तराखंड के राज्य के दर्जे की लड़ाई यह देखने के लिए नहीं लड़ी थी कि एक दिन 'पहाड़ी' और 'देसी' के बीच विभाजन पैदा हो जाएगा। अग्रवाल ने विपक्षी विधायकों के साथ बहस के दौरान आपत्तिजनक शब्द भी कहे थे। वैसे मंत्री ने पहले ही अपनी टिप्पणी को लेकर माफी मांगी थी और प्रदेश भाजपा नेतृत्व ने उन्हें तलब कर संयम बरतने का निर्देश दिया था।

वायु प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार का प्लान

दिल्ली के रिंग रोड होंगे डस्ट फ्री

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राजधानी में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और पर्यावरण सुधार के लिए बड़े स्तर पर अभियान शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में इस दिशा में कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत पूरी रिंग रोड को डस्ट फ्री बनाने और सड़कों के किनारे पौधे लगाने तथा ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए व्यापक योजना तैयार की गई है।सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने ठोस और कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। सरकार ने विभिन्न उपायों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को तत्काल प्रभाव से प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार वैज्ञानिक और सतत उपायों के माध्यम से वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दिल्ली को प्रदूषण मुक्त करना हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाना हमारी प्राथमिकता है। सड़क किनारे हरित पट्टी विकसित करने, ट्रैफिक सुधार और सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुचारू बनाने से राजधानी की वायु गुणवत्ता में बड़ा सुधार होगा। दिल्ली सरकार पर्यावरण सुधार और प्रदूषण नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार, विभिन्न एजेंसियों और जनता के सहयोग से ठोस कदम उठाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

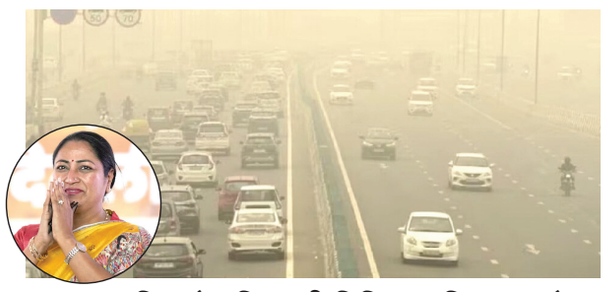

सड़क किनारे हरित पट्टी विकिसत किए जाएंगे

उन्होंने कहा कि सड़क किनारे हरित पट्टी विकसित करने, आधुनिक तकनीकों से धूल नियंत्रण करने और सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ बनाने के साथ, हम दिल्लीवासियों को एक साफ, स्वस्थ और हरा-भरा भविष्य देने के लिए तत्पर हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए सरकार ने एमसीडी, पीडब्लूडी, डीडीए और अन्य संबंधित रोड ओनिंग एजेंसियो को रोड के किनारे पौधे लगाने के निर्देश दिए हैं। सीएम रेखा गुप्ता ने आगे बताया कि दिल्ली में धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पूरी रिंग रोड को डस्ट फ्री बनाया जाएगा, जिसके लिए रिंग रोड पर रेगुलर मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग की जाएगी।

ट्रैफिक जाम की समस्या हल करने का बना प्लान

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में ट्रैफिक जाम की समस्या को हल करने के लिए 250 प्रमुख सड़को को चिन्हित किया गया है और सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए है वह दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की मदद से ट्रैफिक जाम के कारणों का निदान करें। साथ ही प्रमुख जंक्शनों पर ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को बेहतर किया जाएगा। सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को अधिक कुशल बनाने के लिए डीटीसी बसों की रूट रेशनलाइजेशन योजना पर भी काम किया जाएगा। इससे सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुविधाजनक बनाया जाएगा और निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी।

नाइट क्लब में आग लगने से 51 लोगों की मौत

एजेंसी । उत्तर मैसेडोनिया

दक्षिणी यूरोपीय देश उत्तर मैसेडोनिया में एक नाइट क्लब में आग लगने से हड़कंप मच गया। इस हादसे में 51 लोगों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई जबकि 100 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। देश के आंतरिक मंत्रालय ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी स्कोप्जे से करीब 100 किलोमीटर पूर्व में स्थित कोकानी शहर के पल्स नाइट क्लब में रविवार की सुबह आग लगी थी। बताया जा रहा है कि नाइट क्लब में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान आतिशबाजी चलने से ये हादसा हुआ है। सोशल मीडिया पर घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें साफ देखा जा सकता है आग कितनी भीषण थी।

आतिशबाजी से हुआ हादसा

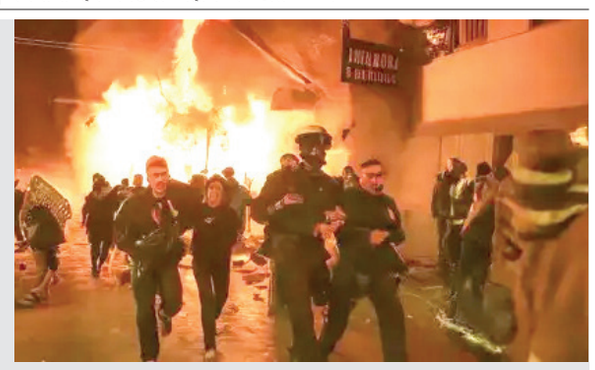

क्लब में लोगों ने की थी आतिशबाजी

मैसेडोनिया के आंतरिक मंत्री पंचे तोशकोवस्की ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार सुबह नाइट क्लब पल्स में एक पॉप समूह के संगीत कार्यक्रम के दौरान यह घटना घटी। क्लब में लोगों ने आतिशबाजी की थी, जिसकी वजह से क्लब की छत में आग लग गई। मंत्री ने बताया कि पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान क्लब में करीब एक हजार से ज्यादा लोग मौजूद थे। मंत्री के मुताबिक इस घटना में जख्मी लोगों को कोकानी के

उत्तर मैसेडोनिया के प्रधानमंत्री ने घटना पर जताया दुख

बताया जा रहा है कि स्थानीय संगीत समूह की जोड़ी स्टेज पर परफॉर्मेंस दे रही थी। इसी दौरान कुछ युवाओं ने आतिशबाजी की। जिसकी चिंगारी से छत में आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा बल और अग्निशमन कर्मियों ने मौके पर पहुंचे और कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल मैसेडोनिया के अधिकारी आग लगने की वजह की जांच कर रहे हैं।